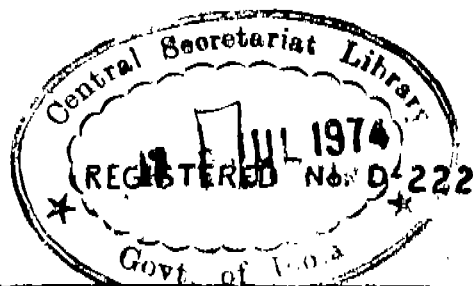


रजिस्ट्री सं० डी-222



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8]
No 8]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 23, 1974 (फाल्गुन 4, 1895)
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 23, 1974 (FALGUNA 4, 1895)

इस भाग में जिस पृष्ठ संख्या दी जाती है उसके बिना यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 (PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 फरवरी, 1974

सं० पी०/1760-प्रशा०-II—महालेखाकार, केरल के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी श्री एन० विश्वनाथन को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 14 जनवरी, 1974 के अपराह्न से सामान्य केन्द्रीय सेवा में राजपत्रित कनास-II पद पर लेखा अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

एम० आर० भागवत
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानियंत्रकालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 फरवरी, 1974

सं० 0-II-904/71-स्थापना:—श्री पी० के० शर्मा ने कम्पनी कमांडर के पद पर आई० टी० वी० पी० में प्रतिनियुक्ति पर स्थापना के फलस्वरूप 10वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल
466Q1/73

उप पुलिस अधीक्षक (क्वार्टर मास्टर) के पद पर का कार्यभार 10 जनवरी, 1974 के अपराह्न को छोड़ा।

एस० एन० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1974

सं० 68018 (2)/71/प्रशा-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी, श्री आर० एल० बडशो (वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग में उप वित्तीय सलहकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर) को उसी सेवा के धरिण्ट ग्रेड (सं० 1800-100-2000-125-2250) में स्थानापन्न रूप में अनुक्रम नियम के अधीन 4 जनवरी 1974 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० 68018(2)/71/प्रशा-II:—इस विभाग की अधिसूचना सं० 7919/प्रशा०-II दिनांक 24 मार्च, 1973 (जो कि राजपत्र भाग III खण्ड 1 दिनांक 14 अप्रैल, 1973 में प्रकाशित हुआ था के आशोधन में राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखा सेवा

के एक अधिकारी श्री बी० के० बैनर्जी जब कि वह हिन्दुस्तान कागज निगम लि० में वित्तीय सलहाकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, उसी सेवा के अवर प्रशासनिक ग्रेड में प्रवरण ग्रेड (र० 1600-100-1800) में 1 अगस्त, 1972 (पूर्वाह्न) से अनुक्रम नियम के अधीन आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जनवरी 1974

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए:—निम्नलिखित को इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 40011(2)/73-प्रशा० ए दिनांक 2 जनवरी, 1974, जो कि श्री एस० एस० पेरुमल, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी/564) की स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति से संबंधित है, के पैरा 2 के रूप में जोड़ा जाता है।

“2. श्री एस० एस० पेरुमल, स्थायी लेखा अधिकारी को 12 अक्टूबर, 1973 से 29 जनवरी, 1974 तक 110 दिन की अर्द्धवेतन छुट्टी मंजूर की गई है।”

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

श्रम एवं नियोजन मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 2 फरवरी 1974

सं० एडमि० 13(96)/सामान्य/74 :— डा० (कुमारी) मीरा हाजेल को दिनांक 19 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के केन्द्रीय चिकित्सालय, धनबाद में कनिष्ठ चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 फरवरी 1974

सं० एडमि० 13 (100)/सामान्य/74:—डा० धनकुण्ड मण्डल को दिनांक 1 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेश जारी होने तक कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के क्षेत्रीय चिकित्सालय, बाघमारा में कनिष्ठ चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० पी० 8(9)67:—कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमावली, 1949 के नियम 5 के अन्तर्गत उप-नियम (1) (बी) में दिये गये अधिकारों का प्रयोग कर, कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष सलाहकार समिति एतद्द्वारा श्री ए० के० मुखर्जी, उप-क्षेत्रीय प्रबन्धक, सम्बलपुर, उड़ीसा को श्री सी० टी० जोसेफ, प्रबन्धक, हिंगिर रामपुर कोलियरी, पो० रामपुर कोलियरी, जिला-सम्बलपुर, उड़ीसा के स्थान पर उड़ीसा कोयला क्षेत्र उप-समिति का नियोजन प्रतिनिधि मनोनीत करती है जिसका संगठन अधिसूचना संख्या पी० 8(9) 69 दिनांक 12 जनवरी, 1973 में उल्लिखित है तथा कथित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

“क्रम संख्या 4—श्री सी० टी० जोसेफ, प्रबन्धक, हिंगिर रामपुर कोलियरी, पोस्ट-रामपुर कोलियरी, जिला-सम्बलपुर,

उड़ीसा के स्थान (क्रम संख्या 4) पर श्री एस० के० मुखर्जी उप-क्षेत्रीय प्रबन्धक, सम्बलपुर, उड़ीसा का नाम दर्ज किया जाए”।

आर० पी० सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त
धनबाद

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 25 जनवरी 1974

सं० 3/4/69-सिब्बन्दी-I :—फिल्म प्रभाग के नियंत्रक तथा प्रमुख निर्माता ने श्री वी०के० वानखेडे, स्थानापन्न लेआउट आर्टिस्ट फिल्म प्रभाग, बम्बई को दिनांक 14 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक फिल्म प्रभाग, बम्बई से इन्वीट्वीन एनीमेटर के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 1 फरवरी 1974

सं० 1/43/57-सिब्बन्दी-I :—श्री एस० पी० चन्द्रमोहन के अवकाश पर से वापस आने के कारण श्री एम० आर० सेथी दिनांक 22 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्न से अपने यूनिट प्रबन्धक के स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

के० एस० बुडवा,
प्रशासकीय अधिकारी,
इसे नियंत्रक तथा प्रमुख निर्माता

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

प्रशासन शाखा-I

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 फरवरी 1974

सं० प्र०-I/1(152) :—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) श्री ए० आर० खोसला को दिनांक 12 जनवरी, 1974 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० प्र०-I/1(868) :—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 के स्थायी अधिकारी तथा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न निदेशक (शिकायत तथा जनसंपर्क) श्रीधरी एम० ए० खान को दिनांक 17-12-73 से 14-1-74 तक 16-12-73 (इतवार) को छुट्टी में जोड़ने की अनुमति सहित सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश के व्यतीत होने पर दिनांक 14 जनवरी, 1974 के अपराह्न से निवर्तन (58 वर्ष) की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

एस० के० ओशी,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(सड़क पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1974

सं० ए-2(1)/73:—राष्ट्रपति, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) में सहायक कार्यकारी इंजीनियर श्री जे० प्रानार्थिहरन का सरकारी सेवा से त्यागपत्र 10 जनवरी, 1974 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

प्यारे लाल गुप्त
अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1974

सं० 5/2/71-इ० सी०-1—राष्ट्रपति 1972 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 में स्थायी सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के पदों पर उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से परीक्षाधीन नियुक्त करते हैं :—

सर्वश्री

- | | |
|--------------------------|---------------------------|
| 1. आर० कृष्णमूर्ति | 7 जनवरी, 1974 (पूर्वाह्न) |
| 2. प्रोम प्रकाश गद्ग्यान | 3 जनवरी, 1974 (पूर्वाह्न) |

धन राज
प्रशासन उप निदेशक

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

एन० एच०-4 फरीदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1974

सं० 3-298/73-सी० एच० ई०—इस कार्यालय की अधिसूचना नं० 3-298/73-ई०-11 दिनांक 24 जुलाई, 1973 का उल्लंघन करते हुए कैप्टन डी० के० बंद को दिनांक 21 मई, 1973 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) को स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय शिलांग में रुपये 400 प्रतिमाह एवं अन्य भत्तों के साथ रुपये 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के वेतनमान में अगले आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 फरवरी 1974

सं० 3-289/73-सी० एच० (ईस्ट)—इस कार्यालय के अधिसूचना नं० 3-289/73-ई०-11 दिनांक 23 जून, 1973 के अधिलेखन में श्री शशी कान्त मनोहर मैनधेकर को दिनांक 13 अप्रैल, 1973 (पूर्वाह्न) से सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यवास अहमदाबाद के साथ प्रतिमाह रुपये 450/- तथा भत्ते के साथ वेतनमान रुपये 350-25-500-30-590-ई० बी०-

30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख
मुख्य जल भू-विज्ञानी

**केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग
(जल स्कंध)**

नई दिल्ली-22, दिनांक 30 जनवरी 1974

सं० क-19012/461/75-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री पी० एस० बारिक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। जब वे अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में तदर्थ रूप में नियुक्त रहेंगे तो उन्हें 2 जनवरी, 1974 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक पर्यवेक्षक के ग्रेड वेतन के अतिरिक्त 10 प्रतिशत भत्ते का अधिकार होगा।

श्री पी० एस० बारिक, ने केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार उपरोक्त समय एवं दिनांक से सम्भाल लिया है।

एम० एल० नन्दा
अवर सचिव

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं रत्नागिरी माईनिंग एण्ड शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी 1974

सं० 9749/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रत्नागिरी माईनिंग एण्ड शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मनिलाल मोहनलाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 1974

सं० 14443/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मनिलाल मोहनलाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 फरवरी 1974

निदेश सं० सी० एच० डी०/1337/73-74—यस: मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० इन्डस्ट्रीयल विल्डिंग नं० 62, इन्डस्ट्रीयल एरिया, है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरजीत सिंह पुत्र आसा सिंह,
94, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. (1) मै० देविन्द्रा, इंजीनियरिंग वरक्स,
211, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।
- (2) सरदार प्रेम सिंह, पुत्र सरदार हरी सिंह,
3137, सैक्टर, 28-डी, चण्डीगढ़।
- (3) श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री रोनक सिंह,
- (4) श्री बलबीर सिंह, पुत्र श्री मैहगा सिंह,
211, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रीयल विल्डिंग नं० 62, इन्डस्ट्रीयल एरिया,
चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-2-1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1974

निर्देश सं० अ० सं० 127/नि०स०आ०, अ०ई०/4/73-74--
वतः मुझे श्री ग० सी० राव. सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, 4 बम्बई. आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राप्ति-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सर्वे सं० 1000/प्लॉट सं० 1109 है, जो मूलण्ड
(पश्चिम), में स्थित है (और हममें उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 30 जुलाई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और वतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

वतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० के० नारखेडे और अन्य,
एन० एस० रोड, मूलण्ड, बम्बई-80।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेमजी शिवगान पटेल, और अन्य
कुमाधी, एन एस रोड बम्बई 80

3. एन० के० नारखेडे और अन्य

4. एन० एस० रोड, मूलण्ड, बम्बई-80।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् अधिकारियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बड़ी
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भक्तसूची

प्लॉट सं० 1109, सर्वेक्षण सं० 1000, जो नाम से 2000
अर्ज गज, है, जो देवीदगल रोड, मूलण्ड (पश्चिम), पहले जो
पाना डिस्ट्रीक्ट में था और अभी जो बृहत बम्बई में रजिस्ट्री
रूप जिला बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिले में पमा हुआ है।

ग० सी० राव,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई।

तारीख 31-1-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
प्रजन रेंज-4

बम्बई, विमांक 31 जनवरी 1974

निर्देश सं० अ० सं० 126/नि०स०मा०, अ०ई०/4/73-74—
प्रतः मुझे, श्री ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरी-
क्षण) प्रजन रेंज 4, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।
और जिसकी सर्वे सं० 1000/प्लॉट सं० 822 है, जो मुलुण्ड
(पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 3-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पुरुषोत्तम खेराज 'मागालम'
नेताजी सुभाष रोड, मुलुण्ड, बम्बई-80।

(प्रन्तरक)

2. मैसर्स एस० प्रधान एण्ड कंपनी,
पट्टादेव निवास, गोखले रोड, याना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्कालवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोदस्ताभरी के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
आएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रस्तुत शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 822, सर्वेक्षण सं० 1000, जो नाप से 934 वर्गगज
याने 780 वर्गमीटर के समकक्ष है, जो नेताजी सुभाष रोड,
मुलुण्ड (पश्चिम), रजिस्ट्री उप-अिता बान्दा, बम्बई उपनगर जिले
में बसम हुआ है।

ग० सो० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-1-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 2

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1974

निर्देश सं० ई०-2/836/1388/73-74—प्रतः मुझे गो०
म० साधु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2
बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 4अ, हिस्सा
सं० 3 (अंश) 7 (अंश), सी० टी० एस० कं० डी०/26, डी/
923 (अंश) डी०/946 है, जो च्यूम खार में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1973 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती बेंटी डिसोआ, (अन्तरक)
2. श्री नासिरुद्दीन अलिमुद्दीन और
श्रीमती अब्दुल्ला बेगम नासिरुद्दीन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परिशिष्ट

पहला :—कृषि भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा
या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला
बान्द्रा के तालुका ग्रन्धेरी के रेवेन्यू ब्लिजेड डांडा के भूमिद्वार

में स्थित है जोकि लेण्ड रेवेन्यू कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण क्र० 4अ, हिस्सा क्र० 3 (अंश), सी० टी० एस० क्र० डी०/926 के अंदर पंजीकृत है, माप में पहले के डाकमेंट के अनुसार 665 वर्गगज, यानी कि 607 वर्गमीटर के समकक्ष है (असल में 8 50 गुंथा, 1-10-6 निर्धारण के हिसाब से) लेकिन माप से 727 वर्गगज यानी कि 630 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा नगरपालिका वार्ड क्र० एच०/2302, गली क्र० 52-अ, च्यूम धारण किये हुए है। उत्तर में गुलमोहर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी की जायदाद से, पश्चिम में एने फर्नाण्डिस एण्ड ब्रदर्स की जायदाद से, पूर्व में एन्थोनी डिसोझा की जायदाद एवं सी०टी०एस० क्र० 925 धारण किये हुए प्लाट से, दक्षिण में सी० टी० एस० क्र० 923 धारण किये हुए प्लाट से, घिरा हुआ है।

दूसरा :—कृषि भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा के तालुका अग्नेरी के रेवेन्यू बिल्डिंग दांडा के च्यूम खार में स्थित है, जो कि लेण्ड रेवेन्यू कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण क्र० 4अ, हिस्सा क्र० 7(अंश) सी० टी० एस० क्र० डी०/923 के अंदर पंजीकृत है, मापसे 151 वर्गगज, यानी कि 134 वर्गमीटर के समकक्ष है (निर्धारण 0-2-3) जोकि लेटीशिया का भाग है। पश्चिम में एने फर्नाण्डिस एण्ड ब्रदर्स की जायदाद से। पूर्व में सी० टी० एस० क्र० 925 प्लाट का अंश एण्ड केशूकी जायदाद। उत्तर में सी० टी० एस० क्र० 946 धारण किये हुए प्लाट से घिरा हुआ है।

तीसरा :—गांवठान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि बम्बई उप नगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा के तालुका अग्नेरी के बिल्डिंग दांडा के च्यूम गांवठान खार में स्थित है, जिसका सर्वेक्षण 4अ, हिस्सा क्र० 3(अंश) और सी० टी० एस० क्र० डी०/946 धारण किये हुए है, जोकि माप से 100 वर्गगज यानी कि 83-01 वर्गमीटर के समकक्ष है। पूर्व में या और केशू की जायदाद। उत्तर में या और सी० टी० एस० क्र० 923 धारण किया हुआ प्लाट और एण्डानी फर्नाण्डिस और भाइयों की जायदाद। दक्षिण में च्यूम बिल्डिंग रोड। पश्चिम में एण्डानी फर्नाण्डिस और भाइयों की जायदाद जोकि अब बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उपजिला बम्बई में है।

गो० न० साधु,

सहायक प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख : 29 जनवरी, 1974।

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-2

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1974

निर्देश सं० अ०ई०-2/834/1386/73-74—मतः मुझे गो० न० साधु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 4अ, हिस्सा सं० 3 अंश, 7(अंश) सी०टी० एस० क्र० डी०/26 डी०/923(अंश) डी० 946 है, जो च्यूम खार में स्थित है और इससे (उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तबसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से दायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती केठी डिसोजा, (अन्तरक)
2. श्री नासिरुद्दीन अलिमुद्दीन और श्रीमती अरुबरी बेगम नासिरुद्दीन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो, :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परिशिष्ट

पहला :—कृषि भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा के 2—466GI/73

तालुका अन्धेरी के रेवेन्यू बिल्डिंग डांडा के च्यूमखार में स्थित है। जोकि लैण्ड रेवेन्यू कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण क्र० 4अ, हिस्सा क्र० 3 (अंश) सी० टी० एस० क्र० डी 926 के अंदर पंजीकृत है माप से पहले के डाकुमेंट के अनुसार 665 वर्गगज यानी कि 607 वर्गमीटर के समकक्ष है (असल में 6.50 गुंथा, 1-10-6 निर्धारण के हिसाब से) लेकिन माप से 727 वर्गगज यानी कि 630 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा नगरपालिका वार्ड क्र० एच०/2302, गली क्र० 52-अ, च्यूम धारण किये हुए है। उत्तर में गुलमोहर को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी की जायदाद से, पश्चिम में एने फर्नाण्डिस एण्ड ब्रदर्स की जायदाद से, पूर्व में एन्थोनी डिसोजा की जायदाद एवं सी० टी० एस० क्र० 925 धारण किये हुए प्लॉट से, दक्षिण में सी० टी० एस० क्र० 923 धारण किये हुए प्लॉट से, घिरा हुआ है।

दूसरा :—कृषि भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा के तालुका अन्धेरी के रेवेन्यू बिल्डिंग डांडा के च्यूमखार में स्थित है, जो कि लैण्ड रेवेन्यू कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण क्र० 4अ, हिस्सा क्र० 7 (अंश), सी० टी० एस० क्र० डी०/923 के अंदर पंजीकृत है, माप से 151 वर्गगज यानी कि 134 वर्गमीटर के समकक्ष है (निर्धारण 0-2-3) जोकि लेटीशिया का भाग है। पश्चिम में एने फर्नाण्डिस एण्ड ब्रदर्स की जायदाद से। पूर्व में सी० टी० एस० क्र० 925 प्लॉट का अंश एण्ड केश्यू की जायदाद। उत्तर में सी० टी० एस० क्र० 946 धारण किये हुए प्लॉट से घिरा हुआ है।

तीसरा :—गांवठान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा के तालुका अन्धेरी के बिल्डिंग डांडा के च्यूमखार गांवठान खार् में स्थित है, जिसका सर्वेक्षण क्र० 4अ, हिस्सा क्र० 3 (अंश) और सी० टी० एस० क्र० डी०/946 धारण किये हुए है जोकि माप से 100 वर्गगज यानी कि 83-01 वर्गमीटर के समकक्ष है : पूर्व में या और केश्यू की जायदाद, उत्तर में या और सी० टी० एस० सं० 923 धारण किया हुआ प्लॉट और एन्डानी फर्नाण्डिस और भाइयों की जायदाद दक्षिण में च्यूम बिल्डिंग रोड, पश्चिम में एन्डानी फर्नाण्डिस और भाइयों की जायदाद जोकि अब बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप-जिला बम्बई में है।

गो० न० साधु,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 29-1-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 फरवरी, 1974

निदेश सं० पी० टी० ए०/1413/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 2, भूपिन्द्रनगर है, जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरजीत कौर विघवा पत्नी, श्री देविन्द्र सिंह,
27-ए, भूपिन्द्र नगर, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री जसमिन्दर सिंह, मतबना पुत्र माई, भगवान कौर
निवासी रामनगर, पञ्जीवाला, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, भूपिन्द्र नगर, नजदीक, आशकारी और
बिक्री-कर आयुक्त कार्यालय, पटियाला ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-2-1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1974

निर्देश सं० अर्जन/98/मूल्यांकन/कानपुर/73-74/2655—यतः मुझे वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो 117/एन/73, काकादेव, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-8-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कामनी देवी पत्नी कैलाश नाथ मेहरोत्रा,
नि० 87/297, आचार्य नगर, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री प्रेम नारायण टंडन, पुत्र श्री शंकर नारायण टंडन,
123/435, फजलगंज, कानपुर। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 117/एन०/73 स्थित काकादेव, कानपुर

(वाई० खोखर)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 6-2-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1974

निदेश सं० 54/5/ए० क्यू०—यतः, मुझे, के० एन० मिश्रा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 27/11/ए है, जो गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मंजीला देवी (अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आने वह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट जोकि 7677 वर्ग फिट गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है ।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तिारीख : 4-2-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1974

निदेश सं० 55/5/एक्यू०—यतः मुझे के० एन० मिश्रा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 411/12 और 411/13 है, जो मबिया स्कीम, पानदरीवा, लखनऊ, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गकिर अली और अन्य (अन्तरक)

2. श्री सनमुख मल, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि 4215 वर्गफिट मबिया स्कीम पानदरीवा, लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-74

मोहर :

प्ररूप ग्राह्य टी० एन० एस०—

2. श्री जग देव प्रसाद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 16 जनवरी 1974

निर्देश सं० 24 जे०/7एक्यू०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०/80 है, जो ग्राम पुरे पीताम्बर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय जस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा बेबी और अन्य

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जो कि 12190 वर्ग फिट ग्राम पुरे पिताम्बरपड़ जिला सुलतानपुर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-2-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (घ) (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 4 फरवरी, 1974

निदेश सं० 23एच/एक्यू०—यतः मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 411/12, 411/13 है, जो मवइया स्कीम, पानदरीवा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री शाकिर अली और अन्य (अन्तरक)

2. श्री हरदास मल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि 4624 वर्ग फिट मवाइया स्कीम पानदरीवा, लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

यापौल्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 11 फरवरी, 1974

निदेश सं० 24 के०/एक्यू०—यतः मझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 166-ए-11-बी है, जो तानारपुर लालु में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तजीबाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शातील प्रसाद और अन्य (अन्तरक)
2. श्री श्रीकिशन औतार और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि जो कि 9 बीघा 5 बिस्वा 7 बिस्वान्सी तानारपुर लालु जिला बिजनौर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-2-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती व० श्रीदेवी,
राजा वी० राजेश्वर राव,
वी० मदन गोपाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास-600006

दिनांक 8 फरवरी, 1974

2. श्री वी० नल्लेन्द्रम पिल्लै

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

निर्देश सं० IX/3/13/73-74—यतः मुझे के० वी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3/17, है, जो नगबाक्कम, हाई रोड, मद्रास-
34, में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 16 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि
के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए मुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-466G1/73

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिनमें ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 4, डोर सं० 3/17, नगबाक्कम हाई रोड, मद्रास-
34, में 3 ग्राउन्ड्स 2000 स्क्० फी० की खाली भूमि।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 8-2-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, मद्रास-600006

दिनांक 8 फरवरी, 1974

निर्देश सं० IX/3/12/73-74—यतः मुझे के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3/17 है, जो नुंगवाक्कम हाई रोड, मद्रास-34 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० II-मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बी० श्रीदेवी,
राजा बी राजेश्वर राव
बी० मदन गोपाल

(अन्तरक)

2. सेंचरी पत्तवर (मल्ल) निमितेट्ट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 4, डोर सं० 3/17, नुंगवाक्कम हाई रोड, मद्रास-34 में 3 ग्राउन्ड्स 2132 स्क० फी० की खाली भूमि।

के० बी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 8-2-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ,

दिनांक 4 फरवरी, 1974

निर्देश सं० 43-बी/एक्यू०—यनः मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 134 में 137, 152 में 154, 157 और 158 है, जो ग्राम देवपुर पखेरिया, में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकरण निर्दिष्ट के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुवाग सिंह, (अन्तरक)

2. श्री बलबीर कोर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि जोकि 56 बीघा 13 बिस्वा ग्राम देवपुर पखेरिया जिला नैनीताल में स्थित है।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 फरवरी, 1974

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस० 1/एस० आर०-1/-अगस्त 11-435(117)/73-74—यतः मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग प्लॉट नं० 12 मार्ग नं० 71 है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269- ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मनमोहन कृष्ण कपूर सुपुत्र श्री बलदेव कृष्ण कपूर कर्ता हिन्दू संयुक्त परिवार स्वयं और उनकी पत्नी श्रीमती वीणा कपूर एवं (अन्तरक)

(2) श्रीमती वीणा कपूर पत्नी श्री मनमोहन कृष्ण कपूर निवासी 8/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

2. (1) सर्वश्री अर्जुन लाल नागपाल, एवं

(2) राजेन्द्र कुमार नागपाल सुपुत्र श्री ताराचन्द नागपाल निवासी कोठी नं० 4 मार्ग नं० 8, पंजाबी बाग, दिल्ली-1 अन्तरिनी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1096.66 वर्ग गज है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 12, मार्ग नं० 71 ब्लॉक 'बी' तथा जो पंजाबी बाग दिल्ली गांव बस्माई दारापुर का क्षेत्र है में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर : सर्विस लैन दक्षिण : मार्ग नं० 71

पूर्व : प्लॉट नं० 14 पश्चिम : प्लॉट नं० 10

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली,

तारीख 13 फरवरी, 1974

नई दिल्ली-1

मांहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंत रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 दिनांक 15 फरवरी 1974

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एक्यू०-1/1/1022/73-74 7574 यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० खमरा सं० 483, 4 84, 477/1, 488 है, जो गांव गवाईपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-8-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती के० अफताब राय, बेबा श्री अफताब राय अटारनी श्रीमती श्रीला फ्लेदर, 3 पृथ्वीराज मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. (1) डा० राजेश्वर कपिला पुत्र श्री परमोद कपिला, (2) श्रीमती (डा०) विमा कपिला, पत्नी डा० राजेश्वर कपिला, निवासी, 7, चौथावर टेरेक बैस्टोरेन्ज एन० टी०, 07052यू० एम० ए० (अन्तरिनी)

3. श्री गोलू राम पुत्र श्री प्रेम सिंह,

(2) श्री खचर पुत्र श्री चेतन निवासी गांव गढांगनी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती के० अफताब राय,

3, पृथ्वीराज मार्ग, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके धार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुगृही

अपि यांय गमीन अंतफल 15 बीघा 12 विश्वाय, जिनका विवरण निम्न प्रकार से है जो कि गांव गवाईपुर दिल्ली में सभी अधिकारी सहित है :—

खमरा सं०	व्रीधा	विस्वाय
483	1	16
484	4	16
477/1	1	4
488	4	16
	15	12

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंत रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15 फरवरी, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd February 1974

Ref. No. J. No. 1(1020(a)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० Door No 10-12 Yerravari St. है जो Tanuku Town में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय Tanuku (W.G. Dt.) AP में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन Aug., 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बगाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Smt. Yerra Laxmi Kantamma, W/o Yerra Appa Rao Tanuku.

(Transferor)

(2) Sri Bhupathiraju Rama Raju, Medical Practitioner Penumentra, Tanuku, Taluk W.G. Dt. (AP).

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

West Godavari Dt.—Tanuku Sub-District—Tanuku Town—Yerra Vari Street—Building bearing door No. 10-12.

Boundaries

North—Site sold to Bh. Padmakumari.

East—site sold to Bh. Padmakumari

South—Site sold to P. V. Mallikarjuna Srinivasa Varma

West—Site sold to P. V. Mallikarjuna Srinivasa Varma

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-2-1974.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

Kakinada, the 2nd February 1974

सं० आर०ए०सी०

J. No. I(680)/73-74.—Whereas, I K. Subba Rao, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० Door No. 12-21-17(7) Ward No. 3, Main Road, Tadepalligudem में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Tadepalli gudem [West Godavari]

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन in August, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Sri D. V. Raghavendra Subba Rao, Asst. Engineer, Electrical Amalapuram.

(Transferor)

(2) Smt. Pulagam Satyavathamma, W/o Sri Satti Reddy, Tadepalligudem.

(Transferee)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

WEST GODAVARI DT.—Tadepalligudem Municipality—Tadepalligudem Town—Main Road—Door No. 12-21-17(7)—Ward No. 3. R.S. No. 219/4 Municipal asst. No. 801—8½ cents or 408 sq. yards.

Boundaries

East—Trunk Road;

South—Velagala Bulli Venkamma's site;

West—Bodi;

North—Fli Anjaneyulu's shops and site.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 2-2-1974.

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

Kakinada, the 3rd February 1974

मं० आर० ए० सी०

J. No. H(1019)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० Door No 10-12 है, जो Yerravari St., Tanuku में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Tanuku (W.G.Dt.) AP में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन in August, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि के लिए मुक्र बनाना; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने के लिए मुक्र बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

-(1) Smt. Yerra Laxmi Kanthamma, W/o Yerra Apparao, Tanuku.

(Transferor)

(2) Shri P. V. M. S. Varma S/o B. Sreeramachandha Raju Kothagudem.

(Transferee)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

West Godavari Dt.—Tanuku Sub-District—Tanuku Town
--Yerravari Street --Door No. 10-12.

Boundaries

North—Site sold to Bhupathiraju Padmakumar.
East—Road.
South—Common path.
West—Zilla parishad School.

K. SUBBA RAO,
सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-2-1974.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Smt. Yerra Laxmi Kantamma, W/o Yerra Appa Rao, Tanuku.

(Transferor)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

Kakinada, the 3rd February 1974

सं०आर०ए०सी० No. J. No. 1(1020)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० Door No. 10-12 Yerravari Street Tanuku में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Tanuku (West Godavari Dt) AP में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन August, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-486GI/73

(2) Smt. Bhupathiraju Padmakumari, W/o Bh. Ramaraju, Medical Gracktout, Penumantra, Tanuku Taluk W.G. Dt.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

West Godavari Dt. Tanuku Sub-District. Tanuku Town, Yerra Vari Street, Building bearing Door No. 10-12.

Boundaries

North—Site of Annapurnamma.

East—Street.

South—Site sold to Penumasta Venkata Srcenivasa Mallikarjuna Varma.

West—Site of Zilla Parishat School.

K. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-2-1974.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जी० पी० अरोरा और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी
समिति, लखनऊ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :

लखनऊ दिनांक 15 फरवरी 1974

निर्देश सं० 11 एन०-अर्जन—यतः मझे, के० एन० मिश्रा
निरीक्षी, सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से
अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 760 है, जो रहीम नगर
में स्थित है, (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-5-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-
कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लॉट खसरा नं० 760 जो कि रहीमनगर लखनऊ
में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-2-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० _____

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-1/सितम्बर-1/ (28)/73-74—यतः, मुझे, डी० बी० लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग, प्लॉट नं० 36 मार्ग नं० 73 है, जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-9-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं :—

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री राम सरण, निवासी 21/32, पंजाबी बाग, दिल्ली (अन्तरक)

2. (1) भजन सिंह

(2) इन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सरदूल सिंह

(3) हरनाम सिंह एवं

(4) मोहन सिंह सुपुत्र श्री भजन सिंह, सभी निवासी बी-3, सुभद्रा कालोनी, मराय रोहल्ला, रोहतक रोड, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1090.83 वर्ग गज (1/2 भाग 545.42 वर्ग गज) जिसका सख्या प्लॉट नं० 36 मार्ग नं० 73 तथा जो पंजाबी बाग नामक कालोनी दिल्ली में स्थित है जो गांव बरगाई दारापुर दिल्ली प्रान्त का क्षेत्र है तथा जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : प्लॉट नं० 34

पश्चिम : प्लॉट नं० 38

उत्तर : सर्विस लैन

दक्षिण : मार्ग नं० 73

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस०आर०-1/सितम्बर-1/467(39)/73-74-यतः, मुझे डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग प्लॉट नं० 36 मार्ग नं० 73 है, जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्रीराम सरण निवासी,
21/32, पंजाबी बाग, दिल्ली (अन्तरक)

2. (1) भजन सिंह
- (2) इन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सरदूल सिंह
- (3) हरनाम सिंह एवं
- (4) मोहन सिंह सुपुत्र श्री भजन सिंह

सभी निवासी बी-3, सुभद्रा कालोनी सराय
रोहल्ला, रोहतक रोड, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1090.83 वर्ग गज (1/2 भाग 545.42 वर्ग गज) जिसका संख्या प्लॉट नं० 36 मार्ग नं० 73 तथा जो पंजाबी बाग नामक कालोनी दिल्ली में स्थित है, जो गांव बरसाई दारापुर दिल्ली प्रान्त का क्षेत्र है तथा जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : प्लॉट नं० 34

पश्चिम : प्लॉट नं० 38

उत्तर : सविस लैन

दक्षिण : मार्ग नं० 73

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन—रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1974

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-1/72-74/मितम्बर, 1/492(89), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 111/972/2198 है जो गली होंग वेग, फाटक हाबश खान में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिव राम दीवन पुत्र दीवान नारायण दास
निवासी डी-3, अन्धा मुगल, सक्की मन्डी, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री हन्टर मोहन मिह पुत्र श्री सुरजीत मिह
निवासी डी-14 ए/31, माडल टाउन, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गैर रिहायशी मकान नं० 111/972/2198 जो कि गली होंग वेग, फाटक हाबश खान दिल्ली में स्थित है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : मकान नं० 111/2199 (नया)

दक्षिण : गली

पूर्व : 111/2187 (नया)

पश्चिम : गली

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13 फरवरी 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1,

केन्द्रीय राजस्व-भवन, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली दिनांक 13 फरवरी 1974

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस०/एकमु०-1/एम०आर०-1/मिनम्बर-11/529(179)/73-74—यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ 1/एवं 2 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-9-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (अ) मी० बाली एण्ड कम्पनी (प्रा०) लि०, 27-बी/11, रोहतक रोड, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डा० श्री सुभाष बाली एवं

(बी) मी० कैपिटल लण्ड बिल्डरस (प्रा०) लि०, पटौली हाउस, दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)

2. (1) श्री श्रीराम कक्कर, सुपुत्र श्री मनोहर लाल कक्कर, एफ-54, बाली नगर, नई दिल्ली एवं

(2) श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री सोदागर सिंह, एम-39 सी, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1 एवं 2 ब्लॉक 'एफ' क्षेत्रफल 319 वर्ग गज, जो बाली नगर नामक कालोनी में स्थित है जो गांव बरसाई दारापुर का क्षेत्र है और दिल्ली की सीमा में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :-

उत्तर : मार्ग 40 फुट चौड़ा

दक्षिण : सर्विस लैन 15 फुट

पूर्व : मार्ग 30 फुट चौड़ा

पश्चिम : प्लॉट नं० 94

डी० बी० लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख 13 फरवरी, 1974

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1973

सं० एक० 2/11/73-ई० I (बी०) — भारत के राजपत्र, दिनांक 23 फरवरी, 1974 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, लखन, मद्रास, पटियाला, पटना, शिलांग, श्रीनगर, और त्रिवेन्द्रम में 29 अगस्त, 1974 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा, की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबन्ध II का पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जाती है उन के नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों की रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है :—

- | | |
|--|------|
| (i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
Indian Railway Service of Engineers. | 10** |
| (ii) वैद्युत् इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
Indian Railway Service of Electrical | 10** |
| (iii) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
Indian Railway Service of Signal Engineers | 6** |
| (iv) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
Indian Railway Service of Mechanical Engineers | 10** |
| (v) भारतीय रेल भंडार सेवा
Indian Railway Stores Service | 8** |
| (vi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा, क्लास-I 25 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 4 तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 7 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)। | |

Central Engineering Service Class I.

- (vii) केन्द्रीय वैद्युत् इंजीनियरी सेवा, 5 (अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 1 तथा अनु० आ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

Central Electrical Engineering Service, Class I

(viii) भारतीय निरीक्षण सेवा, क्लास-I

Indian Inspection Service Class I

(इंजीनियरी शाखा) :—

(Engineering Branch)

(क) सिविल इंजीनियरी पद.....X

Civil Engineering Posts

(ख) यांत्रिक इंजीनियरी पद.....X

Mechanical Engineering Posts

(ग) वैद्युत् इंजीनियरी पद.....X

Electrical Engineering Posts

(घ) सिगनल इंजीनियरी पद.....X

Signal Engineering Posts

(ix) भारतीय पूर्ति सेवा, क्लास-I

Indian Supply Service, Class I

(क) यांत्रिक इंजीनियरी पद 2 (भारतीय पूर्ति सेवा, क्लास I की तीन

(ख) वैद्युत् इंजीनियरी पद 1 रिक्तियों में अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

Electrical Engineering Posts

- (x) सैनिक इंजीनियरी सेवाएं, क्लास-I (भारत और सड़क संवर्ग) 47 (अनुसूचित जा० के उम्मीदवारों के लिए 9 तथा अनु० आ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 5 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

Military Engineer Services, Class I (Building and Roads Cadre)

- (xi) सैनिक इंजीनियरी सेवाएं क्लास-I (वैद्युत् और यांत्रिक संवर्ग) 16 (अनु० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 तथा अनु० आ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

Military Engineer Services, Class I (Electrical and Mechanical Cadre).

- (xii) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (भारतीय आयुध कारखाना सेवा की 40 क्लास-I रिक्तियों में से अनु० आ० के उम्मीदवारों के लिए 9 तथा

(क) यांत्रिक इंजीनियरी के पद अनु० आ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 30

(ख) वैद्युत् इंजीनियरी के पद 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

Electrical Engineering Posts

- (xiii) टेलीग्राफ इंजीनियरी सेवा,
क्लास—I X
Telegraph Engineering Service, Class I
- (xiv) केन्द्रीय जल इंजीनियरी
(क्लास—I) सेवाएं :—
Central Water Engineering (Class I) Services
- (क) सिविल इंजीनियरी के पद (अनु० जा० के उम्मीद-
Civil Engineering Posts 20 उम्मीदवारों के लिए
- (ख) यांत्रिक इंजीनियरी के पद X 3 तथा अनु० जा०
जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्त सम्मिलित हैं) ।
Mechanical Engineering Posts
- (xv) केन्द्रीय पावर इंजीनियरी
(क्लास—I) सेवा :—
Central Power Engineering (Class I) Services
- (क) वैद्युत् इंजीनियरी के पद 33 (अनु० जा० के उम्मीद-
दवारों के लिए 7 तथा अनु० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4
आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं) ।
Electrical Engineering Posts
- (ख) यांत्रिक इंजीनियरी के पद 7 (अनु० जा० के उम्मीद-
दवारों के लिए 1 तथा अनु० जा० के उम्मीदवारों के लिए
1 आरक्षित रिक्त सम्मिलित हैं) ।
Mechanical Engineering Posts
- (xvi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवाएं (सड़क) X
क्लास—I
Central Engineering Service (Roads) Class I
- (iixv) उप आयुध पूर्ति अधिकारी, ग्रेड-II (क्लास—I) के पद 2
दवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्त सम्मिलित हैं) ।
Posts of Deputy Armament Supply Officer, Grade II (Class I)
- (xviii) सहायक विकास अधिकारी
(इंजीनियरी), क्लास I के पद,
तकनीकी विकास महानिदेशालय :—
Post of Assistant Development Officer (Engineering) Class I, in the Directorate General of Technical Development
- (क) यांत्रिक 1
Mechanical
- (ख) वैद्युत् 1
Electrical
- (xix) सहायक ड्रिलिंग इंजीनियरी का पद, क्लास—I,
भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण
Posts of Assistant Drilling Engineer, Class-I in the Geological Survey of India,
- (xx) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) का पद, क्लास—I,
भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण X
Post of Mechanical Engineer (Junior) Class I in the Geological Survey of India
- (xxi) सहायक यांत्रिक इंजीनियरी, क्लास II,
भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण
Post of Assistant Mechanical Engineer Class II, in the Geological Survey of India
- (xxii) टेलीग्राफ यातायात सेवा, क्लास—II.... 21 XX
Telegraph Traffic Service, Class II
- (xxiii) सहायक कार्यकारी इंजीनियरी के पद क्लास—I डाक-तार सिविल इंजीनियरी पक्ष :—
Posts of Assistant Executive Engineer, Class I in the P&T Civil Engineering Wing
- (क) सिविल X
Civil
- (ख) वैद्युत् X
Electrical
- (xxiv) सहायक कार्यकारी इंजीनियरी के पद, क्लास—II, डाक-तार सिविल इंजीनियरी पक्ष :—
Posts of Assistant Engineer, Class II in the P&T Civil Engineering Wing
- (क) सिविल
Civil
- (ख) वैद्युत्
Engineering
- (xxv) डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबंधक (कारखाने) के पद, क्लास—I
3 (अनु० जा० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित—1 रिक्त सम्मिलित हैं) ।
Post of Assistant Manager (Factories) Class I in the P&T Telecom Factories Organisation
- (xxvi) सहायक निदेशक, क्लास—II 2
(प्रयोगात्मक आवास तथा अभिकल्पन, राष्ट्रीय भवन संगठन)
Post of Assistant Director Class II (Experimental Housing and Designs) in the National Building Organisation.

(xxvii) सहायक इंजीनियरी, क्लास—II

आकाशवाणी के सिविल निर्माण

खण्ड में :—

Posts of Assistant Engineer, Class II in the Civil Construction Wing of All India Radio

(क) सिविल

Civil

(ख) वैद्युत्

Electrical

मद संख्या (i), (ii), (iii), (iv), (v) तथा (xli) में उल्लिखित सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियाँ स्थायी हैं।

मद संख्या (ix), (xiv), (xv), (xvii) तथा (xxvii) में उल्लिखित सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियाँ अस्थायी हैं।

मद संख्या (vi), (vii) और (xxii) में उल्लिखित सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियाँ अस्थायी हैं। किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है।

मद संख्या (x) के सामने दिखाई गई 47 रिक्तियों में से 15 रिक्तियाँ स्थायी तथा 32 रिक्तियाँ अस्थायी हैं।

मद संख्या (xi) के सामने दिखाई गई 16 रिक्तियों में से 6 रिक्तियाँ स्थायी तथा 10 रिक्तियाँ अस्थायी हैं।

मद संख्या (xxv) तथा (xxvii) पर सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियाँ अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*रिक्तियाँ सरकार ने सूचित नहीं की हैं।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या को, यदि कोई हांगी सरकार द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

नोट :—भारतीय रेल भण्डार सेवा को छोड़कर उपर्युक्त सेवाओं/पदों पर भर्ती नियमावली के परिशिष्ट I के पैरा 2 में निर्धारित परीक्षा योजना (ओं) के आधार पर की जाएगी। परीक्षा की किसी भी योजना के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को भारतीय रेल भण्डार सेवा में नियुक्त करने के लिए विचार किया जा सकता है।

3. परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के मामले में केन्द्रीय सरकार के अधीन समान शैक्षिक योग्यता की अपेक्षा वाले अन्य स्थायी/अस्थायी पदों पर के लिए भी विचार किया जा सकता है (बेखिए नियमावली के परिशिष्ट III का पैरा 14)।

4. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से किसी एक अथवा सब के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे उपाबन्ध—I में उल्लिखित शुल्क भी

केवल एक बार देना होगा और प्रत्येक सेवा/पद, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग शुल्क नहीं देना होगा।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों में जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों, उनका वरीयता क्रम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहें उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम से उनके रैंक या ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके। वे केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अन्य पदों के अर्थात् क्लास—I और क्लास—II पदों (बेखिये ऊपर पैराग्राफ 3) को भी वरीयता क्रम में सम्मिलित कर सकते हैं, जिन पर नियुक्ति के लिए वे इच्छुक हों।

जिन सेवाओं के साथ स्थायी और अस्थायी दोनों रिक्तियाँ हों (बेखिये नोटिस का पैरा 2 और 3) उनका स्थायी और अस्थायी रिक्तियों के लिए अलग-अलग और सुनिश्चित उल्लेख करना चाहिए। इस प्रकार, यदि अपेक्षित हो तो उसी सेवा/पद का एक से अधिक बार उल्लेख किया जाए।

सेवा/पद/वर्ग अथवा वर्गों तथा सिविल इंजीनियरों, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत् इंजीनियरी और सिगनल इंजीनियर (बेखिए नियमावली का नियम 1) में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा व्यक्त वरीयता क्रम में परिवर्तन के लिए किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध अंतिम परीक्षा परिणाम के घोषित हो जाने की तारीख के 14 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011) को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण एक रूपा देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर के कूपन पर उम्मीदवार को अपना नाम और पता तथा परीक्षा का नाम, बड़े अक्षरों में लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किया जा सकते हैं। एक रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1974 के लिए निर्धारित भ्रूषित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1974 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 22 अप्रैल, 1974 (22 अप्रैल, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 6 मई, 1974)

तक या उससे पूर्व अवश्य पहुँच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

7. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग की उपाबन्ध 1 में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निदिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिस आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकबम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध 1 के पैरा 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. यदि कोई उम्मीदवार, 1973 में ली गई इंजीनियरी सेवा परीक्षा में बैठे हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुँच जाए। यदि वह 1973 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1974 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसकी उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबन्ध 1 के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

9. उम्मीदवार के अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुथी
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 80.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 20.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबंध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रजनन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः

भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से आबस्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था और नोटिस के पैरा 8 में उल्लिखित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 5 में उल्लिखित रीति से अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र, साक्षात्कृत प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने साथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र, साक्षात्कृत-प्रपत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार में इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है वह 22 अप्रैल, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैमियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैमियत से कार्य कर रहा हो तो उसे अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए, जो पृष्ठानक को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, बल्कि ही वह नियोक्ता को अन्तिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाबंध I)
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार को हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) जहाँ लागू हों वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) सर्वेक्षण के ऐच्छिक विषय लेने वाले उम्मीदवारों के मामले में एक प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए कि उम्मीदवार ने व्यावहारिक सर्वेक्षण सहित सर्वेक्षण में संतोषजनक प्रशिक्षण लिया है।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (v), (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा साक्ष्यकृत हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार परीक्षा के परिणामों के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के जनवरी, 1975 के महीने

में घोषित किये जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर नहीं भेजेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई वादा नहीं होगा।

मद (i) से (iv) और मद (vii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :



तथा इस प्रकार भरा जाए :— Pay to the Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 80.00 के बराबर) और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 20.00 के बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष XXI Miscellaneous Deptt. Examination fees/Receipts of the U. P. S. C. में जमा कर दें। यदि शुल्क 1-4-1974 को या उसके बाद जमा किया जाए तो उस राशि को लेखा शीर्ष 051 Public Service Commission Exam. fee में जमा किया जाए। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र

या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जायगी।

(iii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :**—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण पत्र या डिप्लोमा की प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण पत्र या डिप्लोमा की एक प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगी, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

आयोग को अपना आवेदन पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे

नोट के बाद दिए गए प्रमाण पत्र के फाम के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्र में संबद्ध कालेज/ विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल/रजिस्ट्रार/डीन से लिए गए उस आशय के एक प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है, बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा (व्यावहारिक परीक्षा/परियोजना कार्य सहित) इस परीक्षा के प्रारंभ होने से पहले समाप्त हो जाए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा (व्यावहारिक परीक्षा/परियोजना कार्य सहित) में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के भीतर नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

अर्हक परीक्षा में उत्तीर्णता के निवर्शन में प्रमाण-पत्र

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
—सुपुत्र/सुपुत्री ने—जो
इस कालेज के/की छात्र/छात्रा हैं—परीक्षा
उत्तीर्ण कर ली है और—डिग्री प्राप्त करने हेतु पात्र
बनने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य आदि पूरा
कर लिया है तथा उन्हें—श्रेणी मिली है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उन्होंने—
डिग्री की प्राप्ति हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य आदि
सहित सभी अपेक्षाओं को—पूरा कर लिया है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी—
—सुपुत्र/सुपुत्री—माम, 19 में—
—द्वारा आयोजित—परीक्षा
में बैठने वाले/बैठने वाली/बैठे/बैठी हैं और उपर्युक्त परीक्षा व्यावहारिक
प्रशिक्षण/परियोजना कार्य आदि सहित जिससे वे—
डिग्री प्राप्त करने के पात्र होंगे/होंगी संभवतः—19
को समाप्त हो जाएगी।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

संस्था का नाम—

स्थान—

दिनांक—

*जो लागू न हो, काट दें।

(iv) **फोटो :**—उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) की तीन एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक एक प्रति क्रमशः आवेदन पत्र

तथा माध्यांकन पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और तीसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अष्टी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(v) सर्वेक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र :— जो उम्मीदवार इस परीक्षा में 'सर्वेक्षण' वाला प्रश्न-पत्र लेता है उसे इस आशय की एक प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी ऐसी संस्था/कालेज में व्यावहारिक सर्वेक्षण सहित सर्वेक्षण कार्य का प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से प्राप्त कर लिया है। जिसे इस सेवा की प्रतियोगिता परीक्षा में प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त है। यह प्रशिक्षण सिविल इंजीनियरी की किसी डिग्री अथवा डिप्लोमा के पूर्ण पाठ्यक्रम में सम्मिलित प्रशिक्षण के समकक्ष होता चाहिए। इस प्रमाण-पत्र पर संबद्ध कालेज अथवा संस्था के प्रिंसिपल अथवा विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर होने चाहिए।

आपवाधिक परिस्थितियों में कभी व्यक्तिगत मामले में आयोग इस अपेक्षा में छूट दे सकता है यदि वह इस बात में संतुष्ट हो कि यद्यपि उम्मीदवार ने उपर्युक्त, किसी मान्यताप्राप्त संस्था में सर्वेक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है, किन्तु उसने अन्य प्रशिक्षण/और या सेवा कालीन अनुभव प्राप्त कर लिया है तथा सर्वेक्षण में प्रवीणता का वह स्तर प्राप्त कर चुका है, जो आयोग के मतानुसार उस स्तर के समकक्ष है जिसे किसी उम्मीदवार द्वारा सिविल इंजीनियरी में डिग्री अथवा डिप्लोमा के पूरे पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करके प्राप्त किया जाता है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी— जो इस कालेज/संस्था के छात्र रहे हैं, ने इस कालेज/संस्था से सर्वेक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है जो सिविल इंजीनियरी की किसी डिग्री अथवा डिप्लोमा के पूर्ण पाठ्यक्रम में सम्मिलित सर्वेक्षण के व्यावहारिक प्रशिक्षण के समकक्ष है।

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि यह कालेज— विष्वविद्यालय से संबद्ध है।

हस्ताक्षर

कालेज अथवा संस्था का नाम—

स्थान—

दिनांक—

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), 3 (iv) और 3 (vii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 3 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त

करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख में एक सहित के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति का या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गयी हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पवों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
सुपुल/सुपुत्री* श्री— जो गांव/कस्बा*
—जिला/मंडल*—
—राज्य/संघ राज्य* क्षेत्र
—के/की* निवासी हैं,—
—जाति/आदिम* जाति के
की* हैं जिसे निम्नलिखित के आधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित*
आदिम जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिमजातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश 1956

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956,*

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदिम जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*
 और/या* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा*
 जिला/मंडल*
 राज्य/संघ राज्य* क्षेत्र* में
 रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर*

**पदनाम*

(कार्यालय की मोहर)

स्थान*

तारीख

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों कृपया उन्हें काट दें।

नोट:—यहां 'आम तौर से रहते रहती हैं' का अर्थ वही होगा जो रिप्रजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950, की धारा 20 में है।

आनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैकटर/डिप्टी कमिशनर/ऐजिडेशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैकटर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सर्वा-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

+ (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐजिडेशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष्मीप)।

5. (i) नियम 5 (घ) (ii) 5(घ) (iii) के अंतर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले

भूतपूर्व पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगला/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अंतर्गत शुल्क से छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5(घ) (v) अथवा 5(घ) (vi) के अंतर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अंतर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5(घ) (viii) अथवा 5(घ) (ix) के अंतर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह

दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा में आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपावन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी में अथवा परकार के किसी राजपत्रित अधिकारी में अथवा संसद् या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य में लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5(घ) (iv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फ्रेच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(v) नियम 5(घ) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टेंज़ानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीवार) में आए हुए उम्मीदवार को को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट में जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vi) नियम 5(घ) (x) अथवा 5(घ) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करने हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—
के रैंक नं०—
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र* में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
दिनांक _____

(vii) नियम 5 (घ) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोआ, दमन और दियु के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी भांग की पुष्टि के लिये निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए :—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक
- (2) कौंसिलहोप के प्रशासक
- (3) मामलातदार

(viii) नियम 5 (घ) (xiii) अथवा 5(घ) (xiv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—
के रैंक नं०—सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए, सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल/निर्माण और आवास/रक्षा/सिचाई और विद्युत्/मंचार/पूति/औद्योगिक विकास/इस्पात और खान/जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अग्रिम तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पानेवाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. जिन पुस्तिकाओं में अन्य व्योरे के साथ-साथ पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का व्योरा भी सम्मिलित होता है, उनकी बिक्री प्रकाशन, नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14 जनपथ, बैरक्स 'ए' नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एम० गय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मृत्तस्मल नगरों में भारत खरीदा सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महोत्सव और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह व्योरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जायें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित व्योरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किंतु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 8

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-74 को निर्धारित आयु सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़ कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्री लंका से प्रत्यावर्ती व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रजनन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़ का अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रजनन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्री लंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 25 मार्च, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 8 अप्रैल, 1974) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 14 तथा 17 के पद स्थायी हैं। क्रम संख्या 12 का पद स्थायी है किन्तु उस पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 1 से 11, 13, 15, 16, 18 से 21 तथा 23 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 22 का पद अस्थायी है। किन्तु उसके चलते रहने की संभावना है।

क्रम-संख्या 10 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 17, 22 के पद तथा क्रम-संख्या 20, 21 तथा 22 में से प्रत्येक का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम संख्या 14 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 19 का पद तथा क्रम-संख्या 20 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम संख्या 11 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा।

क्रम-संख्या 14 का एक पद यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित है जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों अन्यथा उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा।

1. दो निदेशक, ग्रेड I, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 2000-100-2500। आयु :—वरीयतः 55 वर्ष से कम। योग्यताएं :—(i) यांत्रिक/आतोमोबाइल इंजीनियरी में क्षेत्र में उच्च शैक्षिक योग्यताएं। (ii) पहियों वाली तथा ट्रक गाड़ियों और संबद्ध यंत्रों के अनुसंधान, अभिकल्पन तथा विकास में अत्युत्कृष्ट योगदान तथा इस क्षेत्र में कार्य निर्देश का समुचित अनुभव जिसका प्रमाण वास्तविक अभिकल्पनों, पूर्ण हुए हाईवेयर से संबंधित परियोजना प्रतिवेदनों और या प्रकाशित लेखों से मिलता हो : (iii) सशस्त्र युद्धक गाड़ियों के क्षेत्र में अभिकल्पन और विकास का कम से कम 10 वर्ष का अनुभव हो। (iv) विकास परियोजनाओं के पाइलट संयंत्र उत्पादन अवस्था तक निदेशक का अनुभव। (v) प्राविधिक/इंजीनियरी संस्थाओं या अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठानों में दायित्वपूर्ण पद पर प्रशासनिक अनुभव तथा एक बृहत् अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान को चलाने की क्षमता।

2. एक निदेशक (ग्रेड I), (वैद्युत्), लघु उद्योग संगठन, औद्योगिक विकास मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1300-60-1600-100-1800। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से वैद्युत् इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी प्राविधिक संगठन या विख्यात औद्योगिक प्रतिष्ठान में हल्के वैद्युत् मशीनरी, यंत्रों तथा उपकरणों के विकास और उत्पादन का लगभग 10 वर्ष का अनुभव। (iii) वैद्युत् उद्योग में प्रयोज्य उत्पादन की नवीनतम प्राविधियों तथा आधुनिक मशीनरी एवं उपकरण के प्रयोग से पूर्ण रूप से परिचित होना चाहिए।

3. एक विशेष कार्य अधिकारी (लवण संवल योजना), कृषि मंत्रालय। वेतन :—रु० 1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन इंजीनियरी में डिग्री या रसायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री या प्रौद्योगिकी में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) लवण तथा संवलित लवण से संबंधित औद्योगिक उत्पादन, विपणन विनियम तथा नियंत्रणों के क्षेत्र में 10 वर्ष का अनुभव।

4. सिविल इंजीनियरी (लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी), का एक आचार्य, दिल्ली इंजीनियरिंग कालेज, दिल्ली, दिल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 1100-50-1300-60-1700। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) अनुसंधान/व्यावसायिक कार्य/अध्यापन का "मास्टर" डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव ("डॉक्टरेट") डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के मामले में 8 वर्ष का अनुभव) जिसमें कम से कम 3 वर्ष का अनुभव डिग्री/स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ाने का हो।

5. एक वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (नगर विकास), योजना आयोग। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी या वास्तुकला में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) भारतीय परिप्रेक्ष्य में समाजमूलक आर्थिक पहलू के विशेष संदर्भ में आवास एवं नगर विकास कार्यक्रमों की रूप कल्पना का लगभग पांच वर्ष का अनुभव।

6. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I, स्थानिक तकनीकी कार्यालय, (वायुयान) वैमानिकी निदेशालय, बंगलौर अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। योग्यताएं :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिकी/वैद्युत/नियंत्रण इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) वायुयान इलेक्ट्रॉनिकी/वैद्युत नियंत्रण पद्धतियों के क्षेत्र में अनुसंधान/अभिकल्पन

तथा विकास प्रसार समुच्चयन क्रिया कलाओं का लगभग चार वर्ष का अनुभव ।

7. दो सहायक प्रशिक्षण निदेशक (यंत्र व्यवस्था), रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय, अम संत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय के यंत्र व्यवस्था इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में डिग्री या यंत्र व्यवस्था के विशेष विषय सहित प्रयुक्त भौतिकी में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) स्नातक बनने के बाद उत्पादन में उपयुक्त किसी विख्यात कर्मशाला या कारखाने या प्रतिष्ठान में पर्यवेक्षक के पद पर या किसी मान्यताप्राप्त प्राविधिक संस्था में अध्यापन का लगभग 5 वर्ष का अनुभव । (iii) प्रशासनिक अनुभव ।

8. एक सहायक प्रशिक्षण निदेशक, रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय, अम संत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्रौद्योगिक इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 7 (ii) में है । (iii) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 7 (iii) में है ।

9. एक सहायक प्रशिक्षण निदेशक, रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय, अम संत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक/वैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 7 (ii) में है । (iii) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 7 (iii) में है ।

10. पांच सहायक में प्रशिक्षण निदेशक (इलेक्ट्रानिकी), रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय, अम संत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिकी/दूर संचार/वैद्युत संचार में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 7 (ii) में है । (iii) वही जो उपर्युक्त मद संख्या 7 (iii) में है ।

11. धातु विज्ञान का एक सहायक आचार्य, पंजाब इंजीनियरी कालेज, चंडीगढ़, प्रशासन, चंडीगढ़ । वेतन :—400-30-700/40-1100 (प्रारम्भिक वेतन रु० 460/- के साथ में रु० 100/- विशेष वेतन प्रति मास) । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के धातु कर्म विज्ञान में प्रथम श्रेणी की बी०एस०सी० इंजीनियरी डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से धातु कर्म विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की बी०एस०सी० इंजीनियरी डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में स्नातक कक्षाओं में पढ़ाने का कम से कम दो वर्ष का अनुभव ।

12. एक प्रयोगशाला, इंजीनियर, वैमानिक इंजीनियरी विभाग, पंजाब इंजीनियरी कालेज, चंडीगढ़, चंडीगढ़ प्रशासन ।

वेतन :—रु० 400-30-700/40-1100 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता ।

13. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड II, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 । आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) प्रायोगिक प्रत्याबल विश्लेषण (Stress Analysis) के क्षेत्र में अनुसंधान/अध्यापन का लगभग 2 वर्ष का अनुभव ।

14. दो सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षाधीन), धातु विज्ञानी, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 400-40-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से धातुविज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता अथवा किसी मनुचित मान्यताप्राप्त संस्था की सह-सदस्यता ।

15. एक प्राविधिक अधिकारी, (इलेक्ट्रानिकी), रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय, अम संत्रालय । वेतन :—रु० 400-40-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिकी/दूर संचार इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद इलेक्ट्रानिकी में लगभग एक वर्ष का अनुभव । अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिक्स/दूर संचार टेजीनियरी में डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद इलेक्ट्रानिक्स में लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

16. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी का डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता ।

17. एक लोक स्वास्थ्य विश्लेषक, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय, पांडिचेरी, सरकार । वेतन :—रु० 590-30-830-35-900 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान/जीव रसायन विज्ञान/सूक्ष्म जीव विज्ञान में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) खाद्य पदार्थों सहित कार्बनिक सामग्री के विश्लेषण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

18. एक कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, रक्षा शरीर-क्रिया विज्ञान तथा समवर्गी विज्ञान संस्थान, बिल्सी, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मैदानिक जीव विज्ञान के विशेष विषय के साथ जीवविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

19. एक रसायनज्ञ, कृषि मंत्रालय, खाद्य विभाग। वेतन : ₹ 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान के विषय में स्नातक बी० एस-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) खाद्य पदार्थों तथा प्रसाधित खाद्यों जैसे बिस्कुट, मुरब्बा, डिब्बाबंद फलों, मज्जियों, हाइड्रोजनीकृत तेलों, डेरी पदार्थों, आटा, मैदा आदि की विश्लेषण विधियों में लगभग दो वर्ष का अनुभव।

20. चार सहायक शिक्षा निदेशक/शिक्षा अधिकारी, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली, दिल्ली प्रशासन। वेतन :—₹ 740-40-980-द० रो०-40-1100। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से अध्यापन/शिक्षाशास्त्र में डिग्री/डिप्लोमा। (iii) लगभग 10 वर्ष का अध्यापन और/या शैक्षिक प्रशासन का अनुभव जिसमें दायित्वपूर्ण प्रशासकीय हैसियत से लगभग तीन वर्ष का अनुभव सम्मिलित हो।

21. दो सहायक निदेशक, परिचालन केन्द्र, आंकड़ा प्रसाधन, प्रभाग, नागपुर, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, योजना मंत्रालय (सांख्यिकी विभाग)। वेतन :—₹ 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र या वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित या सांख्यिकी या अर्थशास्त्र के विषय के साथ डिग्री (कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ) और किसी मान्यताप्राप्त संस्थान में कम से कम दो वर्ष के प्रशिक्षण के बाद प्राप्त मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) आंकड़ा प्रसाधन अथवा कार्ड सारणीयन पद्धति (Card Tabulation System) में लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

22. एक उप संपादक, विधायी विभाग, विधि, ग्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन : ₹ 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कानून में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) (क) अधिवक्ता (ऐडवोकेट) की हैसियत से कम से कम 3 वर्ष लगातार प्रैक्टिस की हो। अथवा (ख) किसी राज्य न्याय सेवा या किसी राज्य सरकार के विधि विभाग में किसी पद पर कम से कम 3 वर्ष रहा हो। अथवा (ग) केन्द्रीय सरकार के अधीन विलेख (deeds) सहमति पत्र (Agreement) विधेयक (Bills) अधिनियम (Acts) नियमावली (Rules) आदेश (Order) आदि के अनुवाद

का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव। अथवा (घ) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में कानून के आख्याता (लेक्चरर) के पद पर कम से कम 3 वर्ष तक रहा हो। अथवा (ङ) भारत या विदेशों में प्रकाशित होने वाली विधि रिपोर्टों से संबद्ध सम्पादकीय विभाग में कम से कम 3 वर्ष का अनुभव। (iii) हिन्दी में उच्च कोटि की प्रवीणता हो तथा सर्वोच्च न्यायालय/उच्च न्यायालय के फसलों का हिन्दी में अनुवाद तथा सम्पादन करने की योग्यता हो।

23. दो प्राविधिक सहायक (माडल्स), विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय वेतन :—₹ 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्यिक कला या माडलिंग में डिप्लोमा। (ii) किसी सुप्रतिष्ठित मॉडल निर्माण फर्म या प्रदर्शन अभिकरण या प्राविधिक कर्मशाला में काष्ठ, धातु, प्लास्टर आदि के मॉडल बनाने का लगभग 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

शुद्धि-पत्र

दो प्राविधिक सहायक (माडल्स), विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशालय, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय। संदर्भ :—दिनांक 25-8-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 34 की मद संख्या 16। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि उक्त पदों के लिए भर्ती रद्द कर दी गई है। जिन उम्मीदवारों ने आयोग के उपर्युक्त विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया है उनके द्वारा भुगतान किया गया शुल्क यथासमय लौटा दिया जाएगा।

इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1974

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, डाक-तार (सिविल इंजीनियरी स्कंध), डाक-तार दूर-संचार कर्मशाला संगठन तथा भारतीय नौसेना (उप आयुध पूर्ति अधिकारी) तथा आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध सहित भारत सरकार के कुछ मंत्रालयों/विभागों में इंजीनियरी की योग्यता की अपेक्षा रखने वाली क्लास I तथा क्लास II सेवाओं/पदों पर भर्ती के लिए 29 अगस्त, 1974 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

2. 1-8-1974 को आयु-सीमाएं :—20-25 वर्ष। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा विभागीय उम्मीदवारों के कुछ वर्गों सहित कुछ अन्य वर्गों के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है।

3. योग्यताएं : इंजीनियरी में डिग्री अथवा इंजीनियर संस्था (भारत) की संस्था परीक्षाओं के "ए" और "बी" संवर्गों में उत्तीर्णता अथवा इसके लिए मान्य कुछ अन्य योग्यताएं। कुछ सेवाओं के लिए इंस्टीट्यूशन आफ इलैक्ट्रानिक्स और दूर-संचार इंजीनियर संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा में उत्तीर्णता या इंस्टीट्यूशन आफ इलैक्ट्रानिक्स ऐंड रेडियो इंजीनियर्स लंदन, की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा में उत्तीर्णता को भी स्वीकार किया जा सकता है।

4. परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र सन्धि, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, से रु० 1.00 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउंटर पर रु० 1.00 नकद देकर प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन पर "इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1974" स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र-व्यवहार का पूरा पता भी साफ साफ लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 22 अप्रैल, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के यहां से 6 मई, 1974) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,
सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th February 1974

No. P/1760-Admn.II.—Shri N. Viswanathan, a Section Officer of the office of the Accountant General, Kerala, has been appointed, on deputation, as Accounts Officer, a gazetted Class II post in General Central Service—in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 14th January, 1974.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.

MINISTRY OF HOME

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 8th February 1974

No. O.II-904/71-Ests.—Consequent on his appointment on deputation as Company Commander in the ITBP, Shri P. K. Sharma relinquished charge of the post of Dy. SP (Quarter Master) 10th Bn. CRP Force on the forenoon of 10th January 1974.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 24th January 1974

No. 68018(2)/71/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Bakhshi, an officer of the IDAS (on deputation to Ministry of Finance, Department of Expenditure as Deputy Financial Adviser) to officiate in the Senior Administrative Grade (Rs. 1800—100—2000—125—2250) of that service with effect from 4th January 1974 (forenoon) until further orders, under the "Next Below Rule".

The 30th January 1974

No. 68018(2)/71/AN-II.—In modification of this Department Notification No. 7919/AN-II, dated 24-3-1973 published in Part III—Section 1, dated 14-4-1973, the President is pleased to appoint Shri B. K. Banerjee, an officer of the Indian Defence Accounts Service (while on deputation to Hindustan Paper Corporation Ltd., New Delhi, as Financial Adviser) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 1600—100—1800) of that service with effect from the forenoon of 1st August 1972 until further orders, under the "next below rule".

The 31st January 1974

No. 40011(2)/73/AN-A.—The following is added as para 2 in this Department notification No. 40011(2)/73/AN-A dated 2-1-1974 relating to voluntary retirement from service in respect of Shri S. S. Perumal, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/564).

"2. Shri S. S. Perumal, Permanent Accounts Officer has been granted half pay leave for 110 days for the period from 12-10-1973 to 29-1-1974".

S. K. SUNDARAM
Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 2nd February 1974

No. Adm. 13(96)Genl/74.—Dr. (Miss) Meera Hajela has been appointed as Junior Medical Officer under the Coal Mines Labour Welfare Organisation on purely temporary and on *ad-hoc* basis with effect from 19-1-1974 (forenoon) and posted at Central Hospital, Dhanbad until further orders.

The 7th February 1974

No. Adm. 13(100)-Genl/74.—Dr. Dhan Krishna Mondal has been appointed as Junior Medical Officer under the Coal Mines Labour Welfare Organisation on purely temporary and on *ad-hoc* basis with effect from 1-12-73 (afternoon) and posted at Regional Hospital, Baghmara until further orders.

No. P-8(9)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) (b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby nominate Sri S. K. Mukherjee, Sub-Area Manager, Sambalpur, Orissa as Employers' representative on the Orissa Coalfield Sub-Committee constituted in Notification No. P.8(9)67 dated 12-1-1973 *Vice* Sri C. T. Joseph, Manager, Hingir Rampur Colliery, P.O. Rampur Colliery, Dist. Sambalpur, Orissa and makes the following amendments in the said notification :—

For the entry "Sl. No.—Shri C. T. Joseph, Manager, Hingir Rampur colliery, P.O. Rampur Colliery, Dist. Sambalpur, Orissa"—an entry "Sl. No. 4—Shri S. K. Mukherjee, Sub-Area Manager, Sambalpur, Orissa shall be substituted.

R. P. SINHA
Coal Mines Welfare Commissioner

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 25th January 1974

No. 3/4/69-Est.I.—The Controller-cum-Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. K. Wankhede, Officiating Layout Artist in the Films Division, Bombay to officiate as In-Between Animator in the same office, with effect from the forenoon of the 14th January 1974, until further orders.

The 1st February 1974

No. 6/43/57-Est.I.—On return from leave of Shri S. P. Chandra Mohan, Shri M. I. Sethi, Offg. Production Manager, Films Division Bombay reverted to his substantive post of Unit Manager in the forenoon of the 22nd January, 1974.

K. S. KUDVA
Administrative Officer
for Controller-cum-Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th January 1974

No. 3-15/73-CGHS.I.—Consequent on her appointment as Junior Medical Officer on an *ad hoc* basis under the C.G.H. Scheme, Nagpur, Dr. (Mrs.) P. Venkatesh relinquished charge of the post of Junior Medical Officer under the C.G.H. Scheme, Bombay, on the afternoon of the 31st July 1973.

K. VENUGOPAL
Deputy Director (Administration)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 1st February 1974

No. A-1/1(152).—The President is pleased to permit Shri A. R. Khosla permanent Director (Grade I of Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to retire from the Government service with effect from the afternoon of 12-1-1974 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(868).—On expiry of his leave preparatory to retirement from 17-12-1973 to 14-1-1974 with permission to prefix Sunday on 16-12-1973 to the leave, the President is pleased to permit Ch. M. A. Khan, permanent Grade I Officer of CSS and officiating as Director (Complaints and Public Relation) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to retire from service on the afternoon of 14-1-1974 on attaining the age of superannuation (58 years).

S. K. JOSHI
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(ROADS WING)

New Delhi-1, the 4th February 1974

No. A-2(1)/73.—The President is pleased to accept the resignation from Government service of Shri J. Pranatharthi, Assistant Executive Engineer, Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing), with effect from the afternoon of the 10th January 1974.

P. I. GUPTA, Under Secy.

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 6th February 1974

No. 5/2/71-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the result of Engineering Services Exam., held in 1972, as probationers in the Central Engineering Services Class I in the C.P.W.D. against permanent posts of A.Es. (Civil) with effect from the dates noted against each :—

S/Shri

1. R. Krishnamurthi.—7th January 1974 (FN).
2. Qm Parkash Gaddhyan.—3rd January, 1974 (FN).

DHAN RAJ
Dy. Director of Administration

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 1st February 1974

No. 3-298/73-C.H. (Estt.).—In supersession to this office notification No. 3-298/73-Estt.II, dated 24-7-73, Capt. D. K. Vaid is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist G.C.S. Class II (Gazetted) on the pay of Rs. 400/- (Rupees Four hundred only) per month plus allowances in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Central Ground Water Board with his headquarter at Shillong with effect from 21-5-1973 (F.N.) till further orders.

The 5th February 1974

No. 3-289/73-C.H. (Estt.)-688.—In supersession to this office notification No. 3-289/73-Estt.II, dated 23-6-1973 Shri Shashi Kant Manohar Mendhekar is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist G.Cs. Class-II (Gazetted) on a pay of Rs. 450/- (Rupees Four Hundred fifty) per month, plus other allowances, in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 in the Central Ground Water Board with his headquarters at Ahmedabad with effect from 13-4-1973 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH
for Chief Hydrogeologist

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION

(WATER WING)

New Delhi-22, the 30th January 1974

No. A-19012/461/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri P. S. Barik to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad-hoc* basis, with effect from 2-1-1974 (FN) until further orders.

Shri P. S. Barik took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

M. L. NANDA
Under Secy.
Central Water and Power Commission

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ratnagiri Mining & Shipping Pvt. Limited.

Bombay-2, the 25th January 1974

No. 9746/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Ratnagiri Mining & Shipping Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Manilal Mohanlal & Co. Pvt. Limited.

Bombay, the 4th February 1974

No. 14443/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Manilal Mohanlal & Co. Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies, Maharashtra,
Bombay

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE :
SHILLONG
CORRIGENDUM

A notice under Section 269D(1) of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the case of (1) M/s Tinsukia Development Corporation Ltd., Tinsukia (Transferor) and (2) Shri Subhash Ch. Mody and Shri Ashok Kr. Mody (Transferee) S/o Jagodish Prosad Mody, Tinsukia and (3) M/s. Tinsukia Development Corporation Ltd., Tinsukia (Person in occupation of the property) vide No. 1794/A-15/TSK/73-74, dated 14-12-73 published in the Gazette of India, (Part III, Section 1) Page _____.

In the Schedule it is to be read : Land measuring 8 Bighas 1 katha instead of land measuring 16 Bighas 2 Kathas.

N. PACHUAU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Shillong.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SIONER OF INCOME-TAX,
BUILDING, 3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1974

Ref. No. IAC/ACQ. I/SRI/Sept. II/529(179)/73-74.
Whereas, I, D. B. Lal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-1 & 2 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-9-1973, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) (A) M/s. Bali & Co. (P.) Ltd. 27B/11, Rohtak Road, New Delhi through its Managing Director Sh. Subhash Bali &
(B) M/s. Capital Land Builders (P.) Ltd. Patandi House, Daryaganj, Delhi. (Transferor)

(2) (i) Sh. Ram Kakkar S/o Sh. Manohar Lal Kakkar, F-54 Bali Nagar, New Delhi &
(ii) S. Kartar Singh S/o Sh. Sodagar Singh, M-39-C, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of plots Nos. 1 & 2 in Block 'F' measuring 319 sq. yds. situated in the colony known as Bali Nagar New Delhi in the area of Village Bassai Darapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

North—Road

South—Service Lane 15'

East—Road 30' wide

West—Plot No. F-94

D. B. LAL
Competent Authority
Income-tax, Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1974.
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Harjit Kaur, widow of Shri Davinder Singh,
27-A, Bhupinder Nagar, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th February 1974

Ref. No. PTA/1413/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, Bhupinder Nagar, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Patiala in August 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent rent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(2) Shri Jasminder Singh, adopted son of Mai Bhagwan Kaur, Resident of Ram Nagar, Bakshiwalla, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Bhupinder Nagar, Near Excise and Taxation Commissioner's office, Patiala.
Date : 8-2-1974.

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Chandigarh

Date : 8-2-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-II.

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th February 1974

Ref. No. CHD/1337/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building No. 62, Industrial Area, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Chandigarh in August, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surjit Singh, s/o S. Asa Singh, 94, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) M/s. Davindra Engineering Works, 211-Industrial Area, Chandigarh. (2) Shri Prem Singh, s/o Shri Hari Singh 3137, Sector 28-D, Chandigarh. (3) Shri Hardev Singh, s/o Shri Raunaq Singh. (4) Shri Baldev Singh, s/o Shri Magha Singh, 211-Industrial Area, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Building No. 62, Industrial Area, Chandigarh.
Date : 8-2-1974.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8th February, 1974.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri N. K. Narkhede & Ors. N. S. Road, Mulund, Bombay-80.

(Transferor)

(2) Shri Premji Sivgan Patel & Ors., Kunashi, N. S. Road, Bombay-80.

(Transferee)

*(3) Nil.

*(4) Shri N. K. Narkhede & Ors. N. S. Road, Mulund, Bombay-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 31st January 1974

Ref. No. 127/1A.C., AR-IV/73-74.—Whereas, I, Shri G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, IV, Bombay, being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1000 Plot No. 1109 situated at Mulund (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1109, Survey No. 1000 admeasuring 2000 Sq. Yds., situated at Devidayal Road, Mulund (West), Registration Sub-District Bandra Dist. Bombay Suburban Bombay in Dist. Thana Now in Greater Bombay.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date, 31st January, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX Act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 31st January 1974

Ref. No. AP. 126/I.A.C. AR-IV/73-74.—Whereas, I Shri G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1000, Plot No. 822, situated at Mulund (West) (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 3-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parshottam Kheraj, "Magalam" Netaji Subhash Road, Mulund Bombay-80; (Transferor)
- (2) M/s. S. Pradhan & Company, Mahadeo Nivas, Gokhale Road, Thana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 822, Survey No. 1000 admeasuring 934 Sq. Yards, equal to 780 Sq. Metres, situated at Netaji Subhash Road, Mulund (West), Registration Sub-District Bandra, Dist. Bombay Suburban.

G. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 31st January, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY-20

Bombay-20, the 29th January 1974

No. AR-II/836/1388/73-74.—Whereas, I. G. N. Sadhu, the, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 4-A, H. No. 3 (Pt.), 7 (Pt.), C.T.S. No. D/26, D/923 (Pt) D/946 situated at Chuim Khar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 19-7-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Betty D'Souza.
(Transferor)
- (2) Shri Nasruddin Alimuddin & Smt. Akhtari Begum Nasiruddin.
(Transferee)

- *(3) Tenants.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FIRSTLY : ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground situated at Chuim, Khar in the Revenue Village of Danda, Taluka Andheri, Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 4-A, Hissa No. 3 (part) C.T.S. No. D/926 admeasuring 665 sq. yds., equivalent to 607 sq. meters or thereabouts (originally containing 64 gunthas subject to 1-10-6 assessment) according to the former document but containing 727 sq. yds. or thereabouts equivalent to 630 square metres by admeasurement and bearing Municipal Ward No. H/2302, Street No. 52-A, Chuim, Bounded on the North by the property of Gul Mohar Housing Co-operative Society, on West by the property of Engene Fernandez & Bros. On East by the property of Anthony D'Souza & Plot bearing C.T.S. No. 925 and on south by plot bearing C.T.S. No. 923.

SECONDLY : ALL THAT Piece or parcel of land or parcel of agricultural land or ground situated at Chuim, Khar in the revenue Village of Danda, Taluka Andheri, Bombay Suburban District in the Registration Sub-district of Bandra and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 4-A, Hissa No. 7 (part) and bearing part of C.T.S. No. D/923, containing 151 sq. yds. equivalent to 83.61 sq. metre or thereabouts and thereabouts coming to the share of Leticia, Bounded on the West by the properties of Engene Fernandez & Bros. or East partly by the part of land bearing C.T.S. No. 925 and property of Casau, on the North by plot of land bearing C.T.S. No. 946.

THIRDLY : ALL THAT piece or parcel Gaothan land or ground situated at Chuim, Gaothan, Khar Bombay Suburban District, now Greater Bombay in Village of Danda, Taluka Andheri in the Registration Sub-District of Bandra and bearing Survey No. 4-A, Hissa No. 3 (part) and bearing C.T.S. No. D/946 admeasuring about 100 sq. yds. equivalent to 83.61 sq. metres or thereabouts and bounded on the East by the property of Casau, on the North by plot bearing C.T.S. No. 923 and property of Angene Fernandez & Brothers and on the south by Chuim Village Road and on the West by the property of Engene Fernandez & Brothers. Now in registration District of Bombay Suburban Sub-Registrar of Bombay.

G. N. SADHU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 29th January 1974.

Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY-20

Bombay-20, the 29th January 1974

No. AR-II/834.1386/73-74.—Whereas, I, G. N. Sadhu, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 4-A, H. No. 3 (Pt.), 7 (Pt.), C.T.S. No. D/26, D/923 (Pt.) D/946 situated at Chuim Khar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 19-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Smt. Katty D'Souza
(Transferor)
- (2) Shri Nasruddin Ahmuddin & Smt. Akhtari Begum Nasiruddin.
(Transferee)
- (3) Tenants.
(Person in occupation of the property)
- (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FIRSTLY: ALL THAT piece or parcel or agricultural land or ground situated at Chuim, Khar in the Revenue Village of Danda, Taluka Andheri, Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 4-A, Hissa No. 3 (part) C.T.S. No. D/926 admeasuring 665 sq. yds., equivalent to 607 sq. meters or thereabouts (originally containing 6½ gunthas subject to 1-10-6 assessment) according to the former document but containing 727 sq. yds. or thereabouts equivalent to 630 square metres by admeasurement and bearing Municipal Ward No. H/2302, Street No. 52-A, Chuim. Bounded on the North by the property of Gul Mohar Housing Co-operative Society, on West by the property of Engene Fernandez & Bros. On East by the property of Anthony D'Souza & Plot bearing C.T.S. No. 925 and on South by plot bearing C.T.S. No. 923.

SECONDLY: ALL THAT PIECE or parcel of land or parcel of agricultural land or ground situated at Chuim, Khar in the revenue Village of Danda, Taluka Andheri, Bombay Suburban District in the Registration Sub-district of Bandra and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 4-A, Hissa No. 7 (part) and bearing part of C.T.S. No. D/923 containing 151 sq. yds. (assessment 0-2-3.) equivalent to 134 sq. meters or thereabouts coming to the share of Leticia, Bounded on the West by the properties of Engene Fernandez & Bros. on East partly by the part of land bearing C.T.S. No. 925 and property of Casau, on the North by plot of land bearing C.T.S. No. 946.

THIRDLY: ALL THAT piece or parcel Gaothan land or ground situated at Chuim, Gaothan, Khar Bombay Suburban District, now Greater Bombay in Village of Danda, Taluka Andheri in the Registration Sub-District of Bandra and bearing Survey No. 4-A, Hissa No. 3 (part) and bearing C.T.S. No. D/946 admeasuring about 100 sq. yds. equivalent to 83.61 sq. metres or thereabouts and bounded on the East by the property of Casau, on the North by plot bearing C.T.S. No. 923 and property of Angene Fernandez & Brothers and on the south by Chuim Village Road and on the West by the property of Engene Fernandez & Brothers. Now in registration District of Bombay Suburban Sub-Registrar of Bombay.

G. N. SADHU

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 29th January 1974.

Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Narain Tandon S/o Shri Shanker Narain Tandon, 123/435, Patal Ganj, Kanpur, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 6th February 1974

No. ACQ 98/VAL/KPR/73-74-2155.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule, situated at 117N/73, Kakadeo, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-8-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1927 (27 of 1927).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamini Devi W/o Sri Kailashnath Mehrotra, 87/297, Acharya Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 117/N/73, situated at Kakadeo, Kanpur.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-2-74.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Manjila Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhash Chand & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1974

No. 54/B/Acq—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/11/A, situated at Gokhle Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 10-8-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 7677 sq. ft. situated at Gokhle Marg, Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-2-74

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shakir Ali & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Samukhmal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under-
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A house measuring 4215 sq. ft. situated at Mavaya
Scheme Lucknow.

K. N. MISRA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-2-74

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Jagdeo Pd. Tripathi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 11th February 1974

No. 24.I/Acq.—Whereas, I. K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B/80 situated at Vill. Purepitambar Pandey (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 14-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpa Devi & others.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 12190 sq. ft. situated at vill. Purepitambar Pandey, Dist. Sultanpur.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 11-2-74

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shakir Ali Siddiqi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hardasmal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1974

No. 23.H/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 411/12 & 411/13 situated at Mavaya Scheme Pandariba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 30-8-1973

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

8 F—466 GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 4624 sq. ft. situated at Mavaya Scheme Pandariba Lucknow.

K. N. MISRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 4-2-74

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Kishan Autar Agrawal & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH
LUCKNOW

Lucknow, the 11th February 1974

No. 24.K/Acq.—Whereas, I. K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166-A & 11-B situated at Tatarpur Laloo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Nazibabad on 1-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Shital Pd. & others.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 9 Bighas 5 Biswas 7 Biswas situated at Tatar Pur Laloo Distt, Bijnore.

K. N. MISRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Lucknow

Dated : 11-2-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri V. Nallendran Pillai, 20, Tank Bund Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th February 1974

No. F. IX/3/13/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing door

No. 3/17 situated at Nungambakkam High Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at _____ on _____ 197 .

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt V. Sridevi Sri Raja V. Rajawara Rao, Sji V. Madanagopal, 3/17, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site measuring about 3 ground and 2000 sq. ft. in Plot No. 4, Door No. 3/17, Nungambakkam High Road, Madras-34.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 8-2-74.

Seal:

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th February 1974

No. F. IX/3/12/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 3/17 situated at Nungambakkam High Road, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR.11, Madras on 7-5-1973 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. V. Sridevi, Raja V. Hajeswara Rao, V. Madanagopal, 3/17, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

- (2) M/s. Century Flour Mills Ltd., Esplanade, Madras-1.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site measuring about 3 grounds 2132 sq. ft. in Plot No. 4, Door No. 3/17, Nungambakkam High Road, Madras-34.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 8-2-74.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subag Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 4th February 1974

No. 43.B/Acq.—Whereas, I. K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 134 to 137, 152 to 154, 157 to 158 situated at Vill. Deopur Pakheria (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 1-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 56 Bighas 13 Biswas situated at Vill. Deopur Pakheria Distt. Nainital.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 4-2-74.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,

New Delhi, the February 1973

No. IAC/ACQ.I/SR.I/Aug.II/435(117)/73-74.—Whereas,
I, D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 undivided share of plot No. 12 Road No. 71 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at Delhi on 29-8-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Man Mohan Krishan Kapur S/o Shri Baldev

Krishan Kapur Karta of the H.U.F. consisting of himself and his wife Smt. Veena Kapur only and (ii) Smt. Veen Kapur W/o Shri Man Mohan Krishan Kapur, R/o 816, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Arjun Lal Nagpal and (ii) Rajinder Kumar Nagpal sons of Shri Tara Chand Nagpal, R/o Kothi No. 4 Road No. 8 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of plot measuring 1096.66 sq. yds. bearing Plot No. 12 Road No. 71 Class 'B' situated at Punjabi Bagh, Delhi area of Village Bassaidarapur, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane.
South : Road No. 71.
East : Plot No. 14.
West : Plot No. 10.

D. B. LAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range 1, Delhi/New Delhi

Date : 13-2-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th February 1974

No. IAC/Acq.II/1022/73-74/7574.—Whereas, I. C. V. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 483, 484, 477/1, 488 situated at Village Gadai-pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. K. Aftab Rai, widow of Shri Aftab Rai attorney for & on behalf of Mrs. Shreela Flather 3, Prithvi Raj Road; New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. Rajinder Kapila S/o Shri Parmod Kapila, 2. Smt. (Dr.) Bina Kapila, w/o Dr. Rajinder Kapila, R/o 7, Cheshire Terrace Westorange N.T. 07052 U.S.A.

(Transferee)

- (3) 1. S/Shri Golu Ram S/o Shri Prem Singh. 2. Khachru, S/o Shri Cheta, R/o Village Gatori, Delhi State, Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

- (4) Smt. K. Aftab Rai. 3. Prithviraj Road, New Delhi.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 15 bighas 12 biswas described below situation at Village Gadai-pur within Union Territory of Delhi, with all rights of ownership possessions and other rights.

Khasra Nos.	Bighas	Biswas
483	4	16
484	4	16
477/1	1	4
488	4	16
	15	12

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 15th February 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 3rd February 1974

Ref. No. J. No. I(1020)(a)/73-74.—Whereas, I. K. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 10-12 situated at Yerravari Street Tanuku (W.G. Dt.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku (WG. Dt.) AP in August, 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Yerra Laxmi Kantamma, W/o Yerra Appa Rao Tanuku, (Transferor)
- (2) Sri Bhupathiraju Rama Raju, Medical Practitioner, Penumunta, Tanuku, W.G. Dt. (AP). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari Dt. Tanuku Sub-District, Tanuku Town, Yerra Vari Street, Building bearing Door No. 10-12.

Boundaries

- North—Site sold to Bh. Padmakumari.
 East—Site sold to Bh. Padmakumari
 South—Site sold to P. V. Mallikarjuna Srinivasa Varma
 West—Site sold to P. V. Mallikarjuna Srinivasa Varma

K. SUBBA RAO
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-2-1974.
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri D. V. Raghavendra Subba Rao, Asst. Engineer,
Electrician, Amalapuram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Pulagam Satyavathamma, W/o Sri Satti Reddy,
Tadepalligudem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, KAKINADA.(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Kakinada, the 2nd February 1974

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the propertyIt is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

WEST GODAVARI DT.—Tadepalligudem Municipality—
Tadepalligudem Town—Main Road—Door No. 12-21-17(7)
—Ward No. 3. R.S. No. 219/4 Municipal asst. No. 801—
8½ cents or 408 sq. yards.

Boundaries

East—Trunk Road;
South—Velagala Bulli Venkamma's site;
West—Bodi;
North—Eli Anjaneyulu's shops and site.

K. SUBBA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 2-2-1974.

Seal :

Ref. No. J. No. 1(680)/73-74.—Whereas, I. K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 12-21-17(7), situated at Ward No. 3, Main Road, Tadepalligudem (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem in August 1973 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

9—466GI/73

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 3rd February 1974

Ref. No. J. I(1019)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 10-12 situated at Yerravari Street Tanuku (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tanuku in August, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Yerra Laxmi Kanthamma, W/o Yerra Apparao, Tanuku.
(Transferor)
- (2) Sri P. V. M. S. Varma, S/o P. Sreeramachandra Raju, Kothagudem.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari Dt.—Tanuku Sub-District—Tanuku Town
—Yerravari Street—Door No. 10-12.

Boundaries

North—Site sold to Bhupathiraju Padmakumar.
East—Road.
South—Commonpath.
West—Zillaparishat School.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-2-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Inder Mohan Singh S/o Shri Surjit Singh R/o D-14A/31, Model Town, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, CENTRAL REVENUES
BUILDING, 3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1974

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-I/492(89)/73-74.—Whereas I, D. B. Lal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. III/972/2198 situated at Gali Hinga Beg Phatak Habash Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 12-9-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Ram Dewan S/o Dewan Narain Dass R/o D-3 Andha Mughal, Subzi Mandi Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non residential property, bearing No. III/972/2/2198 situated at Gali Hinga Beg, Phatak Habash Khan, Delhi bounded as under:—

North—Property No. III/2199 (New)
South—Street
East—III/2187 (New)
West—Street

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1974.

Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Bhupathiraju Padmakumari, W/o Bh. Ramaraju, Medical Practitioner, Penumantra, Tanuku Taluk W.G. Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 3rd February 1974

Ref. No. J. No. I(1020)/73-74.—Whereas, I K. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 10-12 situated at Yerravari Street Tanuku (W.G. Dt.) AP (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tanuku in August, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Yerra Laxmi Kantamma, W/o Yerra Appa Rao, Tanuku.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari Dt.—Tanuku Sub-District—Tanuku Town—
Yerra Vari Street—Building bearing door No. 10-12.

Boundaries

North—Site of Annapurnamma.

East—Street.

South—Site sold to Penumasta Venkata Sreenivasa Mallikarjuna Varma.

West—Site of Zilla Parishat School.

K. SUBBA RAO
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-2-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 15th February 1974

Ref. No. II-L/Acq.—Whereas, I K. N. Misra, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and No. Khasra No. 760 situated at Rahim Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 30-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to paytax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri G. P. Arora & Others.

(Transferor)

(2) LKO Vishvavidyalaya Karmachari Girath Nirman Sahkari Samiti Ltd. Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot Khasra No. 760 situated at Rahim Nagar Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-2-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I, CENTRAL REVENUES
BUILDING, 3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1974

Ref. No. IAC/ACQ. I/SR. 1/Sept. 1/(28)/73-74.—Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 1/2 undivided share of Plot No. 36 Road No. 73 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 5-9-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shanti Devi W/o Sh. Ram Saran, R/o 21/32 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Bhajan Singh, (ii) Inder Singh, (iii) Harnam Singh sons of Shri Sardul Singh & (iv) Sh. Mohan Singh S/o Shri Bhajan Singh All r/o B-3, Subhadara Colony, Sarai Rohalla, Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of plot measuring 1090.83 sq. yds. (1/2 share 545.42 sq. yd.) and bearing plot No. 36 on Road No. 73 situated in the colony known as Punjabi Bagh, Delhi on Rohtak Road in the Revenue Estate of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

East—Plot No. 34
West—Plot No. 38
South—Road No. 73
North—Service Lane.

D. B. LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,

Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1974.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE I, CENTRAL REVENUES
BUILDING, 3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1974

Ref. No. IAC/ACQ. I/SR. I/Sept. I/467(39/73-74.—
Whereas I, D. B. Lal, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 undivided share of plot No. 36 Road No. 73 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 10-9-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Smt. Shanti Devi W/o Sh. Ram Saran, R/o 21/32, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferor)
- (2) S/Shri Bhajan Singh, (ii) Inder Singh, (iii) Harnam Singh sons of Shri Sardul Singh & (iv) Sh. Mohan Singh S/o Shri Bhajan Singh All r/o B-3, Subhadara Colony, Sarai Rohalla, Rohtak Road, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of plot measuring 1090.83 sq. yds. (1/2 share 545.42 sq. yd.) and bearing plot No. 36 on Road No. 73 situated in the colony known as Punjabi Bagh, Delhi on Rohtak Road in the Revenue Estate of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

East—Plot No. 34
West—Plot No. 38
South—Road No. 73
North—Service Lane.

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2-1974.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1974

New Delhi, the 23rd February 1974

No. F.2/11/73-E.I(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, HYDERABAD, JAIPUR, LONDON, MADRAS, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SRINAGAR AND TRIVANDRUM, commencing on 29th August 1974 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 23rd February 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below :—

- | | | |
|--|----|--|
| (i) The Indian Railway Service of Engineers | 10 | ** |
| (ii) The Indian Railway Service of Electrical Engineers | 10 | ** |
| (iii) The Indian Railway Service of Signal Engineers | 6 | ** |
| (iv) The Indian Railway Service of Mechanical Engineers | 6 | ** |
| (v) The Indian Railway Stores Service | 8 | ** |
| (vi) The Central Engineering Service, Class I | 25 | (Includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes and 7 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (vii) The Central Electrical Engineering Service, Class I | 5 | (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates.) |
| (viii) The Indian Inspection Service, Class I (Engineering Branch):— | | |
| (a) Civil Engineering Posts | | * |
| (b) Mechanical Engineering Posts | | * |
| (c) Electrical Engineering Posts | | * |
| (d) Signal Engineering Posts | | * |
| (ix) The Indian Supply Service, Class I:— | | |
| (a) Mechanical Engineering Posts | 2 | Of the 3 vacancies in the Indian Supply Service, Class I, 1 vacancy is reserved for Scheduled Tribes candidates. |
| (b) Electrical Engineering Posts | 1 | |
| (x) The Military Engineer Services, Class I (Buildings and Roads Cadre) | 47 | (Includes 9 vacancies reserved for Scheduled Castes and 5 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (xi) The Military Engineer Services, Class I (Electrical and Mechanical Cadre) | 16 | (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (xii) The Indian Ordnance Factories Service, Class I (Engineering Branch):— | | |
| (a) Mechanical Engineering Posts | 30 | (Of the 40 vacancies in the Indian Ordnance Factories Service, 9 vacancies are reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (b) Electrical Engineering Posts | 10 | |

- | | | |
|---|------|---|
| (xiii) The Telegraph Engineering Service, Class I | * | |
| (xiv) The Central Water Engineering (Class I) Service :— | | |
| (a) Civil Engineering Posts | 20 | (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates). |
| (b) Mechanical Engineering Posts | * | |
| (xv) The Central Power Engineering (Class I) Service :— | | |
| (a) Electrical Engineering Posts | 33 | (Includes 7 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates) |
| (b) Mechanical Engineering Posts | 7 | (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates). |
| (xvi) The Central Engineering Service (Roads) Class I | | |
| (xvii) Posts of Deputy Assistant Supply Officer, Grade II (Class I) | 2 | (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates) |
| (xviii) Posts of Assistant Development Officer (Engineering), Class I in the Directorate General of Technical Development:— | | |
| (a) Mechanical | 1 | |
| (b) Electrical | 1 | |
| (xix) Post of Assistant Drilling Engineer, Class I in the Geological Survey of India | * | |
| (xx) Post of Mechanical Engineer (Junior) Class I in the Geological Survey of India. | * | |
| (xxi) Post of Assistant Mechanical Engineer, Class II, in the Geological Survey of India. | * | |
| (xxii) The Telegraph Traffic Service, Class II | 21** | |
| (xxiii) Posts of Assistant Executive Engineer, Class I in the P. & T. Civil Engineering Wing:— | | |
| (a) Civil | * | |
| (b) Electrical | * | |
| (xxiv) Posts of Assistant Engineer, Class II in the P.&T. Civil Engineering Wing— | | |
| (a) Civil | * | |
| (b) Electrical | * | |
| (xxv) Post of Assistant Manager (Factories) Class I, in the P. & T. Telecom Factories Organisation | 3 | (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Caste candidates). |
| (xxvi) Post of Assistant Director, Class II (Experimental Housing and Designs) in the National Buildings Organisation. | 2 | |
| (xxvii) Posts of Assistant Engineer, Class II, in the Civil Construction Wing of All India Radio :— | | |
| (a) Civil | * | |
| (b) Electrical | * | |

The vacancies shown against the Services/posts at item (i), (ii), (iii), (iv) and (xii) are permanent.

The vacancies shown against the Services/posts at item (ia), (xiv), (xv), (xvii) and (xxvi), are temporary.

The vacancies shown against the Services/posts at items (vi), (vii) and (xxii) are temporary but are likely to be made permanent.

Of the 47 vacancies shown against item (x) 15 vacancies are permanent and 32 vacancies are temporary.

Of the 16 vacancies shown against item (xi) 6 vacancies are permanent and 10 vacancies are temporary.

The vacancies shown against the Services/posts at items (xxv) and (xxvii) are temporary but likely to continue indefinitely.

The above numbers are liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

NOTE :—Recruitment to the Services/posts, except the Indian Railway Stores Service, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in para 2 of Appendix I to the Rules. Candidates qualifying on the basis of any of the schemes of examination may be considered for appointment to the Indian Railway Stores Service.

3. Candidates who qualify in the Examination may also be considered for other permanent/temporary posts under the Central Government (*vide* para 14 of Appendix III to the Rules) requiring similar educational qualifications.

4. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each Service/post for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments. They may include in the order of preference, also the other posts under the Central Government, viz. Class I posts and Class II posts (*vide* paragraph 3 above) if they wish to be considered for appointment thereto.

Services/posts with both permanent and temporary vacancies (of paras 2 and 3 of the Notice) should be indicated separately and specifically for permanent and temporary vacancies.

Thus, if desired, the same Services/posts may be mentioned more than once.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of Services/posts, covered by the group or groups of services/posts viz: Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Signal Engineering (cf. rule 1 of the Rules), for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 14 days of the date of announcement of the final results of the examination.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00 which should be remitted by Money Order, to the Secretary, Union Public

Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011). The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. *This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1974. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1974, WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 22nd April, 1974 (6th May, 1974 in the case of candidates residing abroad and in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep from a date prior to 22nd April 1974, accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

8. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1973 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1973 examination, his candidature for the 1974 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 3 of Annexure I.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of

Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 5 of the Notice. *Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, the attestation form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form, the attestation form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep from a date prior to 2nd April 1974.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as a work charged employee, other than a casual or daily rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

Application from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be entertained.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

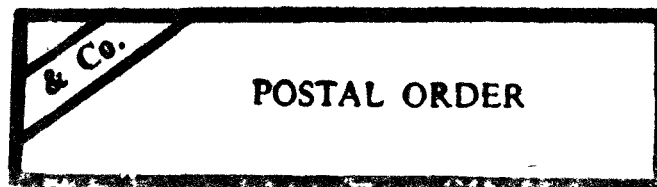
- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Copy of Certificate of Age.
- (iii) Copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Three identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).
- (vii) In the case of candidates offering Surveying as an Optional Subject, a copy of a certificate showing that the candidate has undergone satisfactory training in Surveying including practical Surveying (see Syllabus).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v), (vi) AND (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JANUARY 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES, IN ORIGINAL, AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) and item (vii) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :—



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 80.00, Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "XXI—Miscellaneous Departments Examination fees—Receipts of the Union Public Service Commission". If the fee is deposited on or after 1-4-1974, the amount should be credited to the account head "051. Public Service Commission Examination fees".

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, a copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit a copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate must be one issued by the authority (i.e. examining body) awarding the particular qualification. If a copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the 'form of certificate' given under Note below.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided that the qualifying examination including the Practical training, Project work, etc. is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination including the Practical training, Project work, etc. in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination

1. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ who has been a student in this college has passed the _____ examination and completed the practical training, project work, etc. in order to become eligible for the award of _____ degree and that he/she* has been placed in _____ division.

Certified also that all the requirements for the award of _____ degree including practical training, project work, etc. were completed by him/her* on _____.

2. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ is expected to appear/has appeared* at _____ examination conducted by _____ in the month of _____ 19 _____ and that the above examination including practical training, project work, etc. which would make him eligible for the award of _____ degree is likely to be completed on _____ 19 _____.

Signature _____
Designation _____
Name of Institution _____
Where situated _____

Date _____

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Photograph*.—A candidate must submit three identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one each of which should be pasted on the first page of the application form and the first page of the attestation form respectively, and the third copy, should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(v) *Certificate of Practical Training in Surveying*.—A candidate who takes surveying as a subject must produce a copy of a certificate that he has undergone satisfactory training in surveying including practical surveying, in a college or institution recognised for the purpose of admission to the competitive examination for the Service. The training must be equivalent to that given in the full course for a degree or diploma in Civil Engineering. The certificate must be signed by the Principal or the Head of the Department of Surveying of the College or Institution.

In exceptional cases the Commission may waive this requirement in any individual case, if they are satisfied that even though the candidate had not undergone training in surveying in a recognised institution as aforementioned, he had undergone other training and/or in-service experience and had reached a standard of proficiency in Surveying which, in their opinion is equivalent to that attained by a candidate completing successfully the full course for degree or diploma in Civil Engineering.

THE FORM OF THE CERTIFICATE TO BE PRODUCED BY THE CANDIDATE

Certified that Shri/Shrimati/Kumari _____ who has been a student in this College/Institution has undergone in this College/Institution a practical course of training in

Surveying equivalent to that given in the full course for a degree or diploma in Civil Engineering.

2. Certified also that this College is affiliated to the University of

Signature
Name of College or Institution
Where situated

Date.....

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim a copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrīmati/Kumari* _____
son/daughter* of _____ of village/town* _____
in District/Division* _____ of the
State/Union Territory* of _____ belongs to the _____
Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/
Scheduled Tribe* under the Scheduled Castes and Scheduled
Tribes Lists (Modification) Order 1956 read with the
Bombay Reorganisation Act 1960 and the Punjab Reorganisa-
tion Act, 1966*

the Constitution (Jammu & Kashmir) Schedule Castes
Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled
Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes
Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes
Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,
1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes
Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes
Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrīmati/Kumari* and/or* his/her*
family ordinarily reside(s) in village/town* of
District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature
**Designation
(with seal of office)

Place.....State/Union Territory*.

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Col-
lector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commis-
sioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/
City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magis-
trate/Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presi-
dency Magistrate/Presidency Magistrate;

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar;

(iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candi-
date and/or his family normally resides;

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop-
ment Officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan
claiming age concession under Rule 5(d) (ii) or 5(d) (iii)
should produce a copy of a certificate from one of the follow-
ing authorities to show that he is a *bona fide* displaced person
from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or
after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the
Dandakaranya Project or of Relief Camps in various
States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for
the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee
Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in
his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West
Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of
Annexure I, he should also produce a copy of a certificate
from a District Officer or a Gazetted Officer of Government
or a Member of the Parliament or State Legislature to show
that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly
known as Ceylon) claiming age concession under Rule 5(d)
(v) or 5(d)(vi) should produce a copy of a certificate from
the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known
as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has mi-
grated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-
Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of
Annexure I, he should also produce a copy of a certificate
from District Officer or a Gazetted Officer of Government or
a Member of the Parliament or State Legislature to show that
he is not in a position to pay the prescribed fee

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming
age concession under Rule 5(d)(viii) or 5(d)(ix), should
produce a copy of the identity certificate issued to him by the
Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citi-
zen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or
a copy of a certificate from the District Magistrate of the area
in which he may be resident to show that he is a *bona fide*

repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce a copy of a certificate from a District Officer, or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondichery claiming age concession under Rule 5(d)(iv) should produce a copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(d)(vii) should produce a copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident, to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(d)(x) or 5(d)(xi) should produce a copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri.
..... of unit was disabled
while in the Defence Services, in operation during hostilities
with a foreign country in a disturbed area* and was released
as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(d)(xii) should produce a copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos.
- (3) Mamlatdars.

(viii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(d)(xiii) or 5(d)(xiv) should produce a copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri.
..... of Unit was disabled
while in the Border Security Force in operations during
Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of
such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Irrigation and Power/ Communications/ Super Industries/Industrial Development/ Steel and Mines/Shipping and Transport/Information & Broadcasting for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14 Janpath Barracks 'A', New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Advertisement No. 8

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servant, except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona-fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 25th March, 1974 (8th April, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 14 and 17 permanent. Post at S. No. 12 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 1 to 11, 13, 15, 16, 18 to 21 and 23 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 22 temporary but likely to continue.

One post at S. No. 10 reserved for Scheduled Castes candidates. Posts at S. Nos. 17, 22 and one post each at S. Nos. 20, 21 and 23 reserved for Scheduled Castes candidates who alone need apply. One post at S. No. 14 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. Post at S. No. 19 and one post at S. No. 20 reserved for Scheduled Tribes candidates who alone need apply. Post at S. No. 11 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved.

One post at S. No. 14 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-62 but before 10-1-68 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released, if available; otherwise to be treated as unreserved.

1. *Two Directors, Grade I for Research and Development Organisation, Ministry of Defence.*—Pay Rs. 2000—100—2500. Age.—Preferably below 55 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) High academic qualifications in the field of Mechanical/Aeronautical Engineering. (ii) Outstanding experience in the design and development of wheeled and tracked vehicles and associated equipment and requisite experience of guiding work in the field as evidenced by actual designs, project reports on completed hardware and/or published papers. (iii) Design and development experience in the field of Armour fighting vehicles for a minimum period of 10 years. (iv) Experience of directing development projects upto the pilot plant production

stage. (v) Administrative experience in a responsible capacity in Technical/Engineering institutions or Research and Development Establishment and capacity to run a large Research & Development Establishment.

2. *One Director (Grade I) (Electrical) in the Small Scale Industries Organisation, Ministry of Industrial Development.*—Pay.—Rs. 1100—50—1300—60—1600—100—1800. Age Limit.—45 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 10 years' experience in a responsible capacity in a technical Organisation or industrial concern of repute in the development and production of light electrical machinery, equipment and appliances. (iii) Should be thoroughly familiar with the latest techniques of production and use of modern machinery and equipment as applied to electrical industry.

3. *One Officer on Special Duty (Salt Fortification Scheme), Ministry of Agriculture.*—Pay.—Rs. 1300—60—1600. Age Limit.—45 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) Degree in Chemical Engineering or Master's Degree in Chemistry or Master's Degree in Food Technology of a recognised University or equivalent. (ii) 10 years' experience in the field of Industrial Production, Marketing regulations and Controls in respect of Salt and fortified Salt.

4. *One Professor in Civil Engineering (Public Health Engineering), Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration.*—Pay.—Rs. 1100—50—1300—60—1600. Age Limit.—45 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) At least Second Class Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Post-graduate degree in Public Health Engineering from a recognised University or equivalent. (iii) At least 10 years' experience for Master's degree holders (8 years experience for Doctorate Degree holders) in research/professional work/teaching (including at least 3 years experience in teaching of degree-post-graduate classes).

5. *One Senior Research Officer (Urban Development), Planning Commission.*—Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—35 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) Degree in Civil Engineering or Architecture of a recognised University or equivalent. (ii) About five years' experience in formulation and design of housing and urban development programmes with particular reference to Socio-economic aspects vis-a-vis Indian conditions.

6. *One Senior Scientific Officer, Grade I, for Resident Technical Office (Aircraft), Directorate of Aeronautics, Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.*—Pay.—Rs. 700—50—1250. Age.—Preferably below 40 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) At least Second Class Degree in Electronic/Electrical/Control Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About four years' experience in research/design and development/Type clearance activities in the field of aircraft Electronics/Electrical/Control Systems.

7. *Two Assistant Directors of Training (Instrumentation), Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour.*—Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit.—40 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) Degree in Instrumentation Engineering/Technology or Master's Degree in Applied Physics with Instrumentation as a special subject of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience subsequent to graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised technical institution. (iii) Administrative experience.

8. *One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour.*—Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit.—40 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) A degree in Industrial Engineering/Technology of a recognised University or equivalent. (ii) Same as (ii) in item 7 above. (iii) Same as (iii) in item 7 above.

9. *One Assistant Director of Training, Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour.*—Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit.—40 years. *Qualifications.*—Essential.—(i) A degree in Mechanical/Electrical Engineering of a recognised University or equivalent.

lent. (ii) Same as (ii) in item 7 above. (iii) Same as (iii) in item 7 above.

10. *Five Assistant Directors of Training (Electronics), Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour.*—Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1150. *Age Limit.*—40 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) A Degree in Electronics/Telecommunication/Electrical Communication of a recognised University or equivalent. (ii) Same as (ii) in item 7 above. (iii) Same as (iii) in item 7 above.

11. *One Assistant Professor in Metallurgy, Punjab Engineering College, Chandigarh Administration, Chandigarh.*—Pay.—Rs. 400—30—700/40—1100. (Starting pay Rs. 460/- plus Rs. 100/- Special Pay per month). *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—First Class B.Sc. Engineering Degree in Metallurgy from a recognised University or equivalent. OR Second Class B.Sc. Engineering Degree in Metallurgy from a recognised University or equivalent with at least 2 years' experience of teaching degree classes.

12. *One Laboratory Engineer, Aeronautical Engineering Department, Punjab Engineering College, Chandigarh.*—Pay.—Rs. 400—30—700/40—1100. *Age Limit.*—30 years. *Qualifications.*—*Essential.*—At least second Class Degree in Aeronautical Engineering from a recognised University or equivalent.

13. *One Senior Scientific Officer Grade II, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.*—Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. *Age.*—Preferably below 30 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) At least a Second Class Degree in Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in research/teaching in the field of experimental stress analysis.

14. *Two Assistant Managers (on probation)/Metallurgist, Ministry of Defence.*—Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. *Age Limit.*—30 years. *Qualifications.*—*Essential.*—Degree in Metallurgy of a recognised University or its equivalent. OR Associate membership of appropriate recognised Institution.

15. *One Technical Officer (Electronics), Directorate General of Employment and Training, Ministry of Labour.*—Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Degree in Electronics/Telecommunication Engineering/Technology of a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience in Electronics subsequent to graduation. OR (i) Diploma in Electronics/Telecommunication Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in Electronics subsequent to obtaining the diploma.

16. *Two Junior Scientific Officers, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.*—Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. *Age.*—Preferably below 30 years. *Qualifications.*—*Essential.*—At least Second Class Degree in Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent.

17. *One Public Analyst, Health and Family Planning Department, Government of Pondicherry.*—Pay.—Rs. 590—30—830—35—900. *Age Limit.*—40 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Master's degree in Chemistry/Biochemistry/Microbiology of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience of analysis of organic materials including food products.

18. *One Junior Scientific Officer for Defence Institute of Physiology & Allied Sciences, Delhi, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.*—Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. *Age.*—Preferably below 30 years. *Qualifications.*—*Essential.*—At least Second Class Master's degree in Bio-chemistry with Clinical Bio-Chemistry as special subject of a recognised University or equivalent.

19. *One Chemist, Ministry of Agriculture, Department of Food.*—Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. *Age Limit.*—40 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) B.Sc. Degree with Chemistry as one of the subjects of a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in the methods of analysis of Food Stuffs and processed foods such as biscuits, jams, canned fruits, vegetables, hydrogenated oils, dairy products, atta, flour etc.

20. *Four Assistant Directors of Education/Education Officers Directorate of Education, Delhi, Delhi Administration.*—Pay.—Rs. 740—40—980—EB—40—1100. *Age Limit.*—45 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) At least Second Class Master's degree of a recognised University or equivalent. (ii) Degree/Diploma in Teaching/Education of a recognised University/Institution. (iii) About 10 years' experience of teaching and/or educational administration including about three years' in a responsible administrative capacity.

21. *Two Assistant Directors in the Operation Centre of Data Processing Division, Nagpur, National Sample Survey Organisation, Ministry of Planning (Department of Statistics).*—Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Second Class Master's degree in Statistics or in Mathematics or Economics or Commerce (with Statistics) of a recognised University or equivalent. OR Degree (with at least 50% marks) of a recognised University with Mathematics or Statistics or Economics as a subject and a recognised Post-graduate diploma in Statistics awarded after at least two years training in a recognised Institution or equivalent. (ii) About 3 years' experience in data processing or card tabulation system.

22. *One Sub-Editor, Legislative Department, Ministry of Law, Justice & Company Affairs.*—Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. *Age Limit.*—40 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Degree in Law of a recognised University or equivalent. (ii) Must have (a) Practised as an advocate for a continuous period of not less than 3 years. OR (b) Held an office in a State Judicial Service or in the Law Department of a State Government for a period of not less than 3 years. OR (c) Experience of translation of deeds, agreements, Bills, Acts, Rules, Orders, etc. under Central Government for a period of not less than 3 years. OR (d) Held the post of a Lecturer in Law in a recognised University for a period of not less than 3 years. OR (e) Experience for a period of not less than 3 years in the editorial department connected with Law Reports published in India or abroad. (iii) Should have high proficiency in Hindi and be able to translate and edit Supreme Court/High Court judgments in Hindi.

23. *Two Technical Assistants (Models), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Ministry of Information & Broadcasting.*—Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Diploma in Commercial Art or Modelling of a recognised Institution. (ii) About 3 years' practical experience of fabrication of models in wood, metal, plaster etc. in a well established model manufacturing firm or display agency or a technical workshop.

CORRIGENDUM

Two Technical Assistants (Models), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Ministry of Information & Broadcasting.—Reference item 16 of Commission's Advertisement No. 34 published on 25-8-1973. It is notified for general information that the recruitment to the posts has since been cancelled. The fee paid by the candidates who have applied in response to Commission's above advertisement will be refunded in due course.

ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1974

The Union Public Service Commission will hold a combined competitive examination commencing on 29th August, 1974, for recruitment to Class I and Class II Services/posts, requiring qualifications in Engineering, in certain Ministries/Departments of Government of India, including Geological Survey of India, Posts and Telegraphs (Civil Engineering Wing), P&T Telecom, Factories Organisation, Indian Navy (Deputy Armament Supply Officer) and Civil Construction Wing of All India Radio.

2. *Age Limits on 1-8-1974.*—20—25 years. Upper age limit relaxable in favour of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and certain other categories including certain categories of departmental candidates.

3. *Qualifications.*—A degree in Engineering or a pass in Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India) or other qualifications recog-

nised for the purpose. A pass in Graduate Membership Examination of Institution of Electronics and Tele-Communication Engineers (India) or a pass in Graduate Membership Examination of Institution of Electronics and Radio Engineers London acceptable for certain Services.

4. Full particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Re. 1/- by money order or on cash payment at Commission's counter. *Candidates must clearly state on money order coupons "Engineering Services Examination 1974" and also give their names and full postal*

addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders.

Completed applications must reach Union Public Service Commission by 22nd April, 1974, (6th May, 1974 for candidates residing abroad and in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).

A. C. BANDYOPADHYAY
Secretary,
Union Public Service Commission